कोटद्वार, शुक्रवार
5 जुलाई 2024
वर्ष: 46
अंक: 72 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

शिक्षा विभाग में काउंसिलिंग से स्थानांतरण के आदेश जारी

देहरादून। शिक्षा विभाग में पदोन्नति के बाद पदस्थापना के साथ ही वार्षिक स्थानांतरण के दायरे में आने वाले शिक्षकों के स्थानांतरण काउंसिलिंग के जरिए किए जाने के आदेश जारी हो गए हैं। शिक्षा सचिव रविनाथ रमन की ओर से गुरुवार को इसके आदेश जारी किए गए हैं। सचिव की ओर से महानिदेशक शिक्षा को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि सहायक अध्यापक से प्रवक्ता संवर्ग में होने वाली पदोन्नतियों पर पदस्थापना के साथ ही शिक्षा विभाग के अधीन अन्य सभी शिक्षकों के वार्षिक स्थानांतरण काउंसिलिंग के माध्यम से ही किए जाएंगे। अब उक्त शासनादेश जारी होते ही शिक्षकों की वार्षिक स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू हो हो सकेगी। इधर, शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को स्थानांतरण प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश देते हुए तबादला कार्यक्रम के अनुसार आगामी 10 जुलाई से पहले काउंसलिंग प्रक्रिया को पूर्ण करने को कहा। विभागीय मंत्री ने बताया कि लम्बे समय से शिक्षकों की काउंसलिंग के माध्यम से वार्षिक स्थानांतरण की मांग रही है, जिसे राज्य सरकार द्वारा पूरा कर दिया गया है।

ऊर्जा निगम में जीएम पद पर हुए प्रमोशन

देहरादून। ऊर्जा निगम में लंबे समय बाद प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू हुई है। महाप्रबंधक वित्त के तीन खाली पदों पर पदोन्नति आदेश जारी किए गए। वित्त संवर्ग के अफसरों के प्रमोशन होने के बाद अब इंजीनियरिंग संवर्ग में भी जल्द प्रमोशन की आस जग गई है। यूपीसीएल में अधिशासी अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता तक के पद खाली पड़े हैं। यूपीसीएल मैनेजमेंट ने डीजीएम कमल शर्मा, एनके कांडपाल और एचपी शर्मा के महाप्रबंधक वित्त के पद पर प्रमोशन आदेश जारी कर दिए हैं। तीनों नए बने जीएम ने कार्यभार भी संभाल लिया है। इन्हीं तीन जीएम में से किसी एक को निदेशक वित्त का भी प्रभारी व्यवस्था में चार्ज दिए जाने की संभावना बनी हुई है। क्योंकि निदेशक वित्त नवीन गुप्ता का कार्यकाल समाप्त हो गया है। फिलहाल एमडी अनिल कुमार के पास प्रभारी व्यवस्था में निदेशक वित्त का प्रभार है। दूसरी ओर वित्त संवर्ग के प्रमोशन होने के बाद मैनेजमेंट पर इंजीनियरिंग संवर्ग के भी प्रमोशन करने का दबाव बढ़ गया है। यूपीसीएल में 40 के करीब अधिशासी अभियंता के पद खाली पड़े हैं। इसके साथ ही अधीक्षण अभियंता, मुख्य अभियंता के पद भी खाली पड़े हैं। लंबे समय से कर्मचारी संगठन इन पदों को भरने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसे लेकर यूपीसीएल का मानव संसाधन अनुभाग कर्मचारी संगठनों के निशाने पर है। न सिर्फ कर्मचारियों, अधिकारियों के प्रमोशन अटके हुए हैं, बल्कि एसीपी, चार्जशीट, वेतन विसंगति समेत तमाम प्रकरणों को लेकर कर्मचारी भटक रहे हैं।

हाथरस हादसे के बाद संत प्रेमानंद ने लिया बड़ा फैसला

वृन्दावन ,हाथरस में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत से सबक लेते हुए संत प्रेमानन्द ने रोजाना तडक़े निकलने वाली पदयात्रा अनिश्चितकाल के लिये बंद कर दी है। संत के दर्शन करने के लिये पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। संत प्रेमानन्द रोजाना रात करीब 2:15 बजे छटीकरा मार्ग स्थित अपने आवास से पदयात्रा करते हुए परिक्रमा मार्ग स्थित अपने आश्रम श्रीहित राधा केली कुंज पहुंचते हैं।

यहां उनके प्रवचन और एकांतिक वार्ता का कार्यक्रम होता है। संत के दर्शन करने के लिये उनके आवास से आश्रम तक करीब दो किलोमीटर तक भक्तों की भीड़ जुट जाती है। दर्शन पाने को ललियत भक्तों को संत के परिकरों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। भीड़ के मद्देनजर पदयात्रा पर रोक लगाने का फैसला लिया गया है। इस सम्बन्ध में श्रीहित राधा केली कुंज की ओर से अपने सोशल मीडिया पेज भजन मार्ग पर अपील डाली गई है। जिसमें कहा गया है कि हाथरस में हुई घटना बहुत ही हृदय विदारक व अत्यंत दु:खद है, जिसमें हम सबकी गहन सवेदनाएं परिजनों के साथ हैं। भविष्य में ऐसी कोई भी घटना ना घटे, ऐसी ठाकुर जी के चरणों में प्रार्थना है।

बीसीसीआई ने टीम इंडिया को दिया 125 करोड़ रुपये का चेक, विराट–रोहित हुए भावुक

मुंबई। टी20 विश्व कप की विजेता टीम मुंबई पहुंच चुकी है और टीम के सदस्यों ने खुली बस में चढ़कर विजय जुलूस में हिस्सा लिया। इसके बाद वानखेड़े स्टेडियम पर बीसीसीआई ने खिलाडियों का सम्मान किया और 125 करोड़ रुपये का चेक सौंपा।

खिलाड़ियों ने लिया लैप ऑफ ऑनर

सम्मान समारोह समाप्त होने के बाद खिलाडियों ने वानखेड़े स्टेडियम के चारों ओर चक्कर काटे और लैप ऑफ ऑनर लिया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने प्रशंसकों का आभार जताया और दर्शकों के साइन की हुई गेंदें दी।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम को दिया चेक

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सम्मान समारोह के दौरान भारतीय टीम के खिलाडियों को 125 करोड़ रुपये का चेक दिया। टीम की जीत के बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भारतीय टीम के सदस्यों के लिए 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा की थी।

कोहली बोले— रोहित को इतना भावुक कभी नहीं देखा

कोहली ने रोहित के भावुक होने को लेकर कहा, मैं इंटरनेट ब्रेक करने के बारे में नहीं जानता, लेकिन 15 साल के करियर में मैंने रोहित को इतना इमोशनल होते हुए नहीं देखा। मैं ड्रेसिंग रूम जा रहा था और रोहित बाहर निकल रहे थे। दोनों इमोशनल थे और एक दूसरे को हग किया। वह पल मेरे लिए खास रहेगा।

हम ट्रॉफी जीतने के लिए बेताब थे: कोहली

कोहली ने कहा, जब 2007 या 2011 में हमने विश्व कप जीता था तो सीनियर खिलाड़ी खूब रोए थे, लेकिन मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाया था और सोच रहा था कि क्यों इमोशनल हो रहे हैं। लेकिन अब जब हम सीनियर हो चुके हैं तो हम उसे महसूस कर सकते हैं। चाहे मैं हूं या रोहित दोनों पिछले काफी समय से ट्रॉफी जीतने में लगे थे। पहले मेरी कप्तानी में और फिर रोहित की कप्तानी में। हम दोनों इस ट्रॉफी को जीतने के लिए बेताब थे, लेकिन किसी न किसी वजह से हम जीत नहीं पा रहे थे। अब जब हम जीते हैं तो हमारे लिए यह खास है। जीत कर वापस से वानखेड़े आना हमारे लिए खास है।

बुमराह की सराहना की

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर कोहली ने कहा, मैं चाहूंगा कि सभी एक ऐसे खिलाड़ी के लिए ताली बजाएं, जिसने हर मैच में हमारी वापसी कराई वो हैं जसप्रीत बुमराह। फाइनल में आखिरी पांच ओवर में से दो ओवर गेंदबाजी की और गजब की वापसी कराई। बुमराह सदियों में से मिलने वाले एक गेंदबाज हैं। उनके लिए यह विश्व कप शानदार रहा है। मुझे पता था मैच के बाद कि अब युवाओं को मौका देने का समय आ गया है। विराट कोहली ने कहा, मैं फैंस को थैंक यू कहना चाहूंगा। ये ऐसी चीज है जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। पिछले चार दिन शानदार रहे हैं। हम बारबाडोस से जल्द से जल्द वापस आना चाहते थे, लेकिन बेरिल ने रोक लिया। हमारे लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल भी स्पेशल था। हर फैन की तरह हमें भी लगा था कि मैच फिसल रहा है, लेकिन आखिरी पांच ओवर में हमने बाजी पलट दी।

रोहित शर्मा के फोन कॉल को लेकर द्रविड़ ने कहा, मैं वनडे विश्व कप के बाद श्योर नहीं था। वनडे विश्व कप में फाइनल छोड़कर हमारा अभियान शानदार रहा था। हालांकि, फाइनल हारने के बाद मैं निराश था। ऐसे में रोहित का मेरे पास कॉल आया और उन्होंने कहा राहुल एक लास्ट चांस देते हैं खुद को। अगले छह–सात महीने में एक टूर्नामेंट है, उसको साथ करते हैं। मैं उस कॉल के लिए रोहित का आभारी रहूंगा।

द्रविड़ ने खिलाडियों को सराहा

मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, ये खिलाड़ी क्या मायने रखते हैं। ये खिलाड़ी मेरे लिए परिवार हैं। इन खिलाड़ियों ने जो किया है, वह अतुलनीय है। यह कड़ी मेहनत का नतीजा है। इन खिलाड़ियों ने हमेशा बेहतर होने पर ध्यान दिया। रोहित ने इस टीम की कप्तानी की और मुझे गर्व है कि मैंने इस टीम को कोच किया। मैं इस प्यार को मिस करूंगा। जिस तरह का प्यार आज मिला, जब से हमने लैंड किया है, लोगों ने जो प्यार दिया है, वह शानदार है। क्रिकेट आज जो कुछ भी है, वह फैंस के प्यार और उनके जुनून की वजह से है।

रोहित ने फैंस को दिया धन्यवाद

रोहित ने कहा, जैसा कि मैंने बताया कि जैसा हम खिलाड़ियों को विश्व कप जीतने का जुनून था, वैसा ही जुनून फैंस के मन में भी था। जो हमने 29 जून को किया, उससे फैंस के चेहरे पर खुशी आई। यह स्पेशल टीम है और मुझे गर्व है कि मैंने इस टीम की कप्तानी की।

भारतीय कप्तान ने कहा, मुझे इस टीम पर गर्व है। इसमें जो खिलाड़ी हैं उनको जब मौका मिला उन्होंने अपने दम पर मैच में हमारे लिए वह काम किया। इसके अलावा सपोर्ट स्टाफ, कोचिंग टीम, सबने इस जीत में काफी योगदान दिया है।

विश्वकप विजेता टीम इंडिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की

● बुमराह–संजना और सूर्यकुमार–देविशा के साथ खिंचवाई तस्वीर

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता टीम इंडिया आज बारबाडोस से लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट करने पीएम आवास पहुंची। इस दौरान टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के साथ कोच राहुल द्रविड़ और टीम के सभी खिलाड़ी मौजूद रहे। पीएम के सभी खिलाड़ियों और ट्रॉफी के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनसे चर्चा भी की। इसका वीडियो भी सामने आया है। इतना ही नहीं पीएम ने खिलाड़ियों के साथ–साथ उनके परिवार वालों से भी मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने हर खिलाड़ी और उसके परिवार के साथ भी तस्वीर खिंचवाई। विराट ने भी प्रधानमंत्री के साथ तस्वीर साझा की है। पीएम मोदी से मिलने के बाद टीम को बुलाने के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। विराट ने लिखा, 'आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर बहुत सम्मान महसूस हुआ। प्रधानमंत्री आवास पर हमें आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद सर।' तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी प्रधानमंत्री मोदी से मिलने पहुंचने थे। इस दौरान उनका परिवार भी साथ था। अर्शदीप ने परिवार वालों और प्रधानमंत्री मोदी के साथ तस्वीर साझा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ भी तस्वीर खिंचवाई। इस दौरान दोनों ने काफी लाइट मोमेंट शेयर किया। रोहित भारत को कोई भी विश्व कप जिताने वाले तीसरे कप्तान हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रवींद्र जडेजा और उनकी

विधायक पत्नी रिवाबा से भी मुलाकात की। जडेजा ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इस दौरान जडेजा–रिवाबा की बेट निध्याना भी मौजूद रहीं।

तकनीकि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए दोनों मण्डलों में बनेंगे एक्सीलेंस सेंटर : धामी

● सीएम पुष्कर सिंह धामी ने की सचिवालय में तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को सचिवालय में तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि तकनीकि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमांऊ मण्डल में एक-एक एक्सीलेंस सेंटर बनाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी तकनीकि संस्थानों से पास आउट होने वाले छात्रों को अधिक से अधिक कैम्पस प्लेसमेंट मिले। औद्योगिक संस्थानों की आवश्यकता के अनुरूप तकनीकि संस्थानों में आधुनिक कोर्स और आधुनिक उपकरणों की समुचित व्यवस्था की जाए। तकनीकि संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त वाले युवाओं को कितने प्रतिशत छात्रों को रोजगार मिला और कितने प्रतिशत ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लिया इसका स्पष्ट डाटा रखा जाए। तकनीकि शिक्षा प्राप्त करने के बाद राज्य के युवाओं को प्रदेश में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराये जाएं, ताकि उन्हें रोजगार के लिए राज्य से बाहर न जाना पड़े। राज्य में युवाओं के कौशल विकास के लिए प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डिंग तथा अन्य मैकेनिकल प्रशिक्षण भी कराये जाएं। बैठक में जानकारी दी गई कि पिछले तीन सालों में पॉलिटेक्निक के माध्यम से 6490, सरकारी क्षेत्र में 369 तथा पॉलिटेक्निक के माध्यम से सामुदायिक विकास योजना के तहत 552 युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार मिला। आगामी एक साल में आई.आई.टी रूड़की के सहयोग से विभिन्न राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थाओं में वर्चुअल लैब की स्थापना और प्रशिक्षण दिया जायेगा। उत्तराखंड राज्य करियर काउंसिलिंग सेंटर की स्थापना की जायेगी। पॉलिटेक्निक संस्थाओं को सर्विस प्रोवाइडर के रूप में विकसित कर बेरोजगार युवाओं को व्यवसाय से जोड़ा जायेगा। बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, रविनाथ रमन, डॉ. रंजीत सिन्हा, कुलपति वीर माधो सिंह भण्डारी, उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, अपर सचिव शिक्षा श्रीमती रंजना राजगुरू, महानिदेशक शिक्षा बंशीधर तिवारी सहित शिक्षा एवं तकनीकि शिक्षा के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

स्पीकर बिरला ने बदले शपथ के नियम, शपथ के समय नारे लगाने या कुछ और बोलने पर लगाई रोक

नई दिल्ली ,18 वीं लोकसभा के पहले सत्र के दौरान एआईएमआईएम मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने संसद सदस्यता की शपथ लेने के बाद सदन में जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना और सबसे आखिर में जय फिलिस्तीन का नारा लगा कर एक नया विवाद खड़ा कर दिया था। ओवैसी के अलावा कई अन्य सांसद भी संसद सदस्यता की शपथ लेने से पहले या बाद में सदन में नारे लगाते हुए भी नजर आए। इस पर विवाद बढ़ने के बाद अब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों के शपथ ग्रहण को लेकर नियम को बदलते हुए इसे और ज्यादा कठोर बना दिया है। नए नियम के मुताबिक, अब भविष्य में शपथ लेने वाले निर्वाचित सांसदों को संविधान के अंतर्गत शपथ के प्रारूप के अनुसार ही शपथ लेना होगा। अब सांसद शपथ लेते समय न तो नारे लगा पाएंगे और न ही अपने शपथ में कोई और शब्द जोड़ पाएंगे। लोकसभा अध्यक्ष के निर्देश के मुताबिक, लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों (सत्रहवें संस्करण) के नियम 389 में बदलाव कर दिया गया है। नियम 389 के निर्देश–1 में खंड 2 के बाद अब एक नया खंड–3 जोड़ा गया है। इसके मुताबिक, एक सदस्य भारत के संविधान की तीसरी अनुसूची में इस उद्देश्य के लिए निर्धारित प्रपत्र के अनुसार, ही शपथ लेगा और उस पर हस्ताक्षर करेगा।

देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री की तबीयत फिर बिगड़ी

दिल्ली के निजी अस्पताल में करवाया गया भर्ती

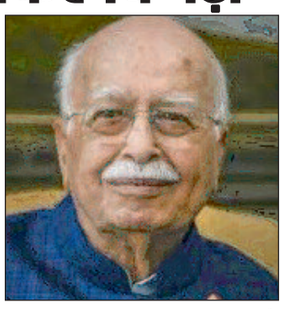

नई दिल्ली ,देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई है। उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एडमिट कराया गया है। जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर विनीत सूरी की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी को एक सप्ताह पहले हालत बिगडऩे पर देर रात करीब 10.30 बजे एम्स के यूरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था। हालत में सुधार होने पर अगले दिन उनको हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई थी। आडवाणी को इसी साल 30 मार्च को भारत रत्न से नवाजा गया था। साल 2015 में उनको देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान यानी कि पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। भारत रत्न से सम्मानित होने के ऐलान पर आडवाणी ने कहा था, 'मैं सम्मान के साथ भारत रत्न स्वीकार करता हूं ये महज मेरा नहीं, उन विचारों और सिद्धांतों का सम्मान है, जिनका हमने उम्र भर पालन किया। लाल कृष्ण अडवानी ने राम मंदिर आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई थी। आडवाणी उन नेताओं में से एक हैं, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी।

उत्तराखंड में तीन साल के भीतर की रिकार्ड 14800 भर्तियां

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सरकार के तीन साल पूरे होने पर गुरुवार को मीडिया से बातचीत में उत्तराखंड की जनता का आभार जताते हुए कहा कि राज्य के इतिहास में इस अवधि में रिकार्ड 14,800 सरकारी भर्तियां की गई। कहा कि इस दौरान सरकार ने कई चुनौतियों से मुकाबला करते हुए उनका समाधान निकाला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी के स्नेह, समर्थन और आशीर्वाद से मुख्यसेवक के रूप में आज तीन वर्ष पूर्ण हुए हैं। जन–जन की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप इन वर्षों में देवभूमि उत्तराखंड के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर समर्पित होकर कार्य किया है और आगे भी इसी प्रकार प्रदेशवासियों के सर्वांगीण और सर्वस्पर्शी विकास के लिए कार्य करता रहूंगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए बिना रुके, बिना थके कार्य कर रहे हैं। सरकार का हर पल और हल क्षण राज्य की सेवा के लिए समर्पित है। कहा कि इस कालखंड में अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कहा कि युवाओं और नौजवानों का जो एक बड़ा सपना रोजगार का होता था उसके लिए बेहतर तरीके से काम किया। भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी बनाने के लिए कठोर नकल अध्यादेश लेकर आए हैं, अब सभी परीक्षाएं नकलविहीन संचालित हो रही हैं।

सीएम ने कहा कि प्रदेश की मातृशक्ति के लिए भी अनेक योजनाएं रोजगार व स्वरोजगार के क्षेत्र में लाएं हैं। स्वयं सहायता समूह, महिला मंगल दल को सशक्त और मजबूत बनाने की दिशा में ठोस काम किए गए। कहा कि गरीबों के कल्याण को सरकार गंभीर है और समाज के अंतिम छोर तक कल्याणकारी योजनाएं पहुंचे। इसके लिए सरकार और शासनतंत्र की तरफ से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

बारिश से जनपद में चार ब्रांच सड़कें बंद

रुद्रप्रयाग। बुधवार रात हुई बारिश से रुद्रप्रयाग जनपद में 4 ब्रांच सड़कें बंद हैं। जिन्हें खोलने के लिए जेसीबी की मदद ली जा रही है।

लोनिवि की रुद्रप्रयाग डिविजन में बंद तीन सड़कों में तिमली–मरोड़ा–किरोड़ा, छेनागाढ़ बक्सीर और जखनोली–बैंड से कुरछोला मोटर मार्ग शामिल हैं।

जबकि ऊखीमठ डिविजन में रांउलेक–जग्गीबागवान मोटर मोटर मार्ग मलबा आने से बंद है। लोनिवि के ईई इन्द्रजीत बोस ने बताया कि बंद सड़कों को खोलने का काम जारी है। जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। रुक–रुक कर मलबा आने से सड़कें अवरुद्ध हो रही है। विभागीय स्तर से त्वरित मार्ग खोले जा रहे हैं।

ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, एक घायल

बुधवार रात कौड़िया-तल्ला मोटाढांग मार्ग पर हुआ हादसा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कौड़िया-तल्ला मोटाढांग मार्ग पर एक तेज रफ्तार टैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जबकि, एक अन्य घायल युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना बुधवार रात की है। तल्ला मोटाढाक से कौडिया की तरफ आ रही एक बाइक विपरीत दिशा से आ रही ट्रैक्टर ट्राली से टकराई गई। दुर्घटना में बाइक चालक कौड़िया निवासी दीपक कुमार (26) और धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए बेस हॉस्पिटल में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। जबकि, धर्मेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि जिस ट्रैक्टर ने बाइक पर टक्कर मारी उस पर नंबर प्लेट भी नहीं था। पुलिस ने ट्रैक्टर को सीज कर दिया है। मालूम हो कि उक्त मार्ग पर भारी वाहन तेज रफ्तार से दौड़ते हैं। जिसके कारण पूर्व में भी हादसें हो चुके हैं।

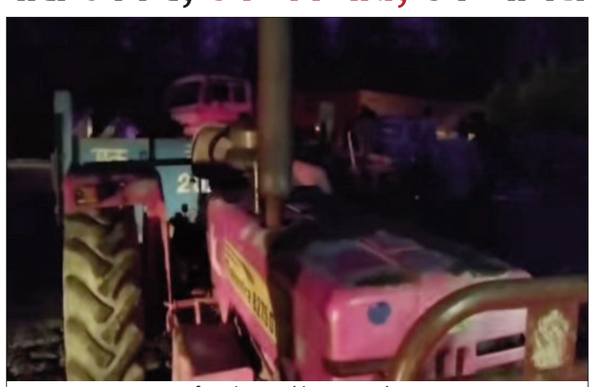

दुर्घटना के बाद मौके पर खड़ा ट्रैक्टर

संपादकीय

मौत का समागम

श्रद्धा और भक्ति के बीच जब झूठ और पाखंड का समावेश होता है तो वहां भक्तों को अंधेरे में रखकर बरगलाने का काम किया जाता है। मनुष्य को देवता समझने वाले ऐसे लोगों की हमारे देश में कमी नहीं है जो अपना सब कुछ भूल कर सर्वस्व लुटाने को तैयार रहते हैं। भक्तों को अंधेरे में रखकर हमारे देश में ऐसे ना जाने कितने ही बाबा लाखों करोड़ों के मालिक बन चुके हैं जिनकी गिनती करना भी हम मुश्किल है। जब तक इन ढोंगी बाबाओ की हरकतें खुलकर सामने आती है तब तक यह लोग अपना ऐसा साम्राज्य खड़ा कर लेते हैं जिसके आगे शासन प्रशासन भी खुद को झुका हुआ महसूस करता है। हाथरस के एक समागम में एक कथित बाबा के कार्यक्रम के बाद जो कुछ हुआ उसने कई घरों की चिराग बुझा दिए। घटना के बाद प्रशासन को आयोजन में कई कमियां नजर आ रही है लेकिन आयोजन से पहले लाखों की भीड़ उमड़ने का अंदेशा होने के बावजूद भी ना तो स्थलीय परीक्षण किया गया और ना ही व्यापक तौर पर सुरक्षा प्रबंध खड़े किए गए। यही नहीं सेवादारों का भी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जो रवैया था वह दंड के योग्य है। हाथरस जिले के मुगलगढ़ी इलाके में जिस जगह समागम किया गया था, वह लगातार हो रही बारिश के बाद दलदल जैसी हो गई थी। मौत के इस समागम में यूपी के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र स्थित फुलगढ़ी गांव में सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद अब कमियां निकाली जा रही है और कुछ दिनों बाद शायद इस घटना को भुला भी दिया जाएगा। हमारे देश में बाबाओं का सैलाब जिस तरीके से बढ़ रहा है और उनकी अंधभक्ति में लोगों का अटूट विश्वास श्रद्धालुओं के दुखों का निवारण भले ही ना करता हो लेकिन इसकी आड़ में कई आपराधिक एवं ढोंगी लोग अकूत संपत्ति के मालिक बन चुके हैं। कोई इन बाबाओ पर क्या हाथ डालेगा जब बड़े-बड़े राजनेता खुद इन बाबाओ की दहलीज पर चरण वंदन करते हुए नजर आते हैं। सत्ता तक अपनी पहुंच रखने वाले कई बाबा आज सलाखों के पीछे हैं लेकिन उनके अनुयाई आज भी इन्हें सर आंखों पर बिठाकर रखते हैं। इसी अंधभक्ति के कारण देश में बाबाओं का साम्राज्य फल फूल रहा है। कुछ आश्रमों में तो आपराधिक तत्वों का समावेश हो चुका है। 121 लोगों की मौत के बाद अब कानूनी कार्रवाई की जा रही है जिसमें आयोजकों में शामिल एक मुख्य सेवादार और आयोजक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। अंधभक्ति धर्म के प्रति श्रद्धा का यह वह रूप है जिसमें कुछ स्वार्थी लोग श्रद्धालुओं को मूर्ख बनाने का कार्य करते हैं और श्रद्धालु भी उनकी बातों में आकर ऐसे लोगों को अपना भगवान मानने लगते हैं। कथित बाबाओ के सम्मोहन में भक्तों को ना तो छल कपट नजर आता है और ना ही उस इंसान की पीछे छिपा उसका आपराधिक अतीत। धर्म की आड़ में दुख और कष्टों को दूर करने का झूठ प्रलोभन देने वाले इन बाबाओ की दुकान पहले भी चलती आई है और आगे भी चलती रहेगी इसका कोई तोड़ दूर-दूर तक नजर नहीं आता है। शिक्षित और अशिक्षित दोनों ही वर्ग इस कुचक्रसे बाहर निकल नहीं पाया है।

कंधे से कंधा मिलाकर चलने की प्रतिबद्धता

आचार्य पवन त्रिपाठी

लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार की जीत का केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय महत्त्व भी है। अनेक कारणों से इस बात को कहा जा सकता है।

सबसे पहले तो देखें कि कई दशकों की जोड़-तोड़ की राजनीति एवं राजनैतिक अस्थिरता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विराम लगा दिया है। आज पूरी दुनिया के शीर्ष नेता एवं नेतृत्व भारत को अत्यंत ही सकारात्मक एवं भरोसेमंद विदेश नीति वाले देश के रूप में देखते हैं। कहना न होगा कि पूरी दुनिया में नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक नई पहचान दी है।

रविवार को लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले चुके नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को मिला नया जनादेश भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी भूमिका के लिए नई ऊर्जा देने वाला साबित होगा।

ऐतिहासिक रूप से एनडीए की परंपरा अटलबिहारी वाजपेयी के समय से सहभागिता, सहयोग एवं सर्वसम्मति के साथ सबका साथ- सबका विकास की ही रही है। आने वाले पांच साल में भी भाजपा सहित राजग के सभी सहयोगी घटक राष्ट्र निर्माण में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित दिखाई दे रहे हैं। इसकी एक झलक बीते शुक्रवार को पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई राजग की बैठक में भी देखने को मिल चुकी है। वहां राजग के सभी प्रमुख सहयोगियों ने न सिर्फ मोदी सरकार के पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल पर संतोष जताया, बल्कि अगले कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी के कंधे से कंधा मिलाकर चलने की प्रतिबद्धता भी जताई है।

दरअसल, देश में गठबंधन सरकार चलाने के मामले में वाजपेयी सरकार को आदर्श उदाहरण के रूप में गिनाया जाता है। अपने घटक दलों और सहयोगी दलों के साथ सहज भाव से रहते हुए आम जनता के जीवन को सहज बनाने और सुविधापूर्ण बनाने में वाजपेयी सरकार के कामकाज को आज भी याद किया जाता है।

वास्तव में 2047 में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरा गठबंधन ह्यराष्ट्र सर्वोपरिह्ल के सिद्धांत पर आगे बढना चाहता है। निश्चित रूप से इस दृष्टि से बड़े और कड़े फैसले भी लिए जाएंगे। न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी, बल्कि बिहार के नीतीश कुमार एवं आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू जैसे नेता अपने-अपने राज्यों में अपने पिछले कार्यकालों में सुशासन के लिए ही जाने जाते रहे हैं। इसलिए उनके अनुभव का लाभ भी प्रधानमंत्री को मिलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

इन दोनों नेताओं को उनके अपने-अपने राज्यों में विकास पुरुष के रूप में जाना जाता है।चुनावी परिणाम और जनादेश ने भारतीय लोकतंत्र की ताकत, निष्पक्षता और पारदर्शिता को भी साबित कर दिया है। ईवीएम का राग अलापने वाले आधारविहीन विपक्ष के मुंह पर यह बड़ा तमाचा है। आज भी ह्यब्रांड मोदीह्ल का जलवा बरकरार है। देश के जनमानस में बीजेपी, नरेन्द्र मोदी और एनडीए के प्रति विश्वास को 2024 के जनादेश ने पुनः स्थापित किया है। यह जीत करोड़ों कार्यकर्ताओं, वोटरों एवं कुशल नेतृत्व की जीत है।

यह भारतीय प्रजातंत्र की जीत है जिसमें सर्वे भवन्तु सुखिनः..का भारतीय दर्शन भी निहित है। हर एक प्रजातंत्र के इतिहास में एक ऐतिहासिक पड़ाव आता है, जो राष्ट्र की नीति और नियति तय करता है। लोक सभा 2024 के चुनाव परिणाम में तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की विजय ऐसा ही ऐतिहासिक पल है। निश्चित रूप से इस चुनावी विजय ने अनेकानेक सकारात्मक संदेश दिए हैं।

इतिहास के पन्नों को पलटें तो पाएंगे कि 1962 के बाद पहली बार किसी नेता को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने का अवसर मिला है। इसके साथ-साथ यह तो और भी ऐतिहासिक है कि प्रधानमंत्री पद से पहले नरेन्द्र मोदी चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर गुजरात का शासन सफलतापूर्वक चला चुके हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्षो के पुरुषार्थ, तप एवं विकासोन्मुखी राजनीति का परिणाम है कि अनेक झूठे प्रचारों के बावजूद पार्टी विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया आइएनडीआइए गठबंधन अकेले भारतीय जनता पार्टी की सीटों से भी आगे नहीं जा सका। साठ वर्षो से अधिक समय तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस तो 100 सीटों के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाई।

स्पष्ट है कि जनता ने विपक्षी गठबंधन को सिरे से नकार दिया है। इस चुनाव ने पुनः स्पष्ट कर दिया है कि आने वाला समय विकास एवं कल्याण की राजनीति का है न कि धर्म, जाति, पंथ और सांप्रदायिकता का। एक और विशेष बात जो प्रधानमंत्री मोदी को विशिष्ट बनाती है, वह है कि इनकी ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की सोच और अंतिम छोर पर खड़े देश के हर नागरिक के प्रति संवदेनशीलता।

एक ओर जहां विपक्ष ने धर्म और जाति के आधार पर ध्रुवीकरण का प्रयास किया, वहीं इसके बिल्कुल विपरीत प्रधानमंत्री मोदी विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े नागरिक तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत रहे। अब भाजपा एवं एनडीए देश के हर कोने में मजबूती के साथ विस्तार कर रहा है। ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु एवं केरल में पार्टी का वोट प्रतिशत भी तेजी से बढ़ा है।

आर्थिक मोच्रे पर मोदी सरकार के नेतृत्व में पिछले दो कार्यकाल खासे उत्साहवर्धक रहे। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वैश्विक पटल पर ऊंची छलांग लगाते हुए अनेक विकसित देशों को चौंका दिया। पिछले 10 वर्षो में जिस संकल्प एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने देश को दुनिया की पहली पांच अर्थव्यवस्थाओं में लाकर खड़ा कर दिया है, वह अपने आप में एक अद्भुत मिसाल है।

आर्थिक मोर्चे पर देश को आगे ले जाने की इसी इच्छाशक्ति के साथ शुक्रवार को केंद्रीय कक्ष की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राज्यों को संदेश दे दिया है कि वे बड़े विदेशी निवेश के लिए अपने यहां सरल एवं सीधी नीतियां बनाएं ताकि विदेशी कंपनियां देश के हर राज्य में अपने लिए अनुकूल वातावरण महसूस करें, और हर राज्य में निवेश के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकें।

कथनी और करनी...

अशोक शर्मा

अभी अभी दूसरी बार निर्वाचित लोक सभा स्पीकर ओम बिरला ने लोकलमा मे आपातकाल की निंदा वाला प्रस्ताव पढा जिसमे उन्होंने कहा कि" 1975 में काग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल इतिहास का एक ऐसा कालखंड है जो काले अध्याय के रूप में दर्ज है। उन्होने कहा कि इस कालखंड में देश पर तानाशाही थोपी गई थी और लोकतांतिक मूल्यों को कुचला गया था एवं अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया था। नागरिकों के अधिकार नष्ट कर दिए गए थे। आपातकाल के समय सविधान में संशोधन करने का लक्ष्य एक व्यक्ति के पास शक्तियो को सीमित करने का था। हम सभी आपातकाल के दौरान कांग्रेस की तानाशाही सरकार के हाथों अपनी जान गवाने वाले नागरिको को स्मृति में मौन रखते है"। ये सत्य है कि जून 25 , 1977 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इदिरा गाँधी ने आपातकाल घोषित कर दिया था और ये आपातकाल 21 महीनों यानि 21 मार्च 1977 तक लागू रहा और ये भारतीय लोकतंत्र के इतिहास पर एक काला धब्बा है। ये आपातकाल एक ऐसे दुस्वप्न की तरह है जो हमेशा लोकतांत्रिक संस्थानो को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिकों की स्वतंत्रता और अधिकारो की रक्षा करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता रहेगा। ओम बिरला के "निंदा प्रस्ताव" को हम इस रूप में भी समझ सकते है कि नागरिको को उनके अधिकारो से वंचित करना घोर अन्याय की पराकाष्ठा है और इसके कितने भंयकर दुष्परिणाम हो सकते है। इस प्रस्ताव को एक शपद्थ के रूप मे देखना चाहिए कि भविष्य में कभी इसकी पुनरावृत्ति कभी न हो। लेकिन यह भी सत्य है कि खुद ओम बिरला ने 17 वी लोकसभा के स्पीकर के रूप में अपनी शक्तियों का विवेकहीन दुरुपयोग करते हुए विपक्ष के कई सदस्यों को निलंबित कर दिया था। इसी प्रकार सरकार द्वारा संस्थाओ और कानूनों को पक्षपातपूर्ण तरीके से दुरुपयोग करते हुए सिविल सोसाइटी, राजनीति एवं मोडिया में विरोधी सुरों का दमन किया गया एवं कुचला गया। इन सब को देखते हुए तो यह निंदा प्रस्ताव एक दिखावा ही लगता है और प्रदर्शित करता है कि सरकार की कथनी और करनी मे कितना फर्क है । निंदा प्रस्ताव वास्तव में कांग्रेस को निशाना बनाने का राजनीतिक षडयंतत्र सा लगता है।सच्चाई यह है कि सत्ताधारी भाजपा ने विगत वर्षो में बिना आपातकाल घोषित किए ही ,पिछले दरवाजे से आपातकाल जैसी कई ज्यादतियां की है। जैसा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खडगे ने कहा भी कि भाजपा का शासन एक अघोषित आपातकाल है। यदि वर्तमान सरकार वास्तव में 1975 के आपातकाल को लेकर इतनी गंभीर है तो क्यों आए दिन सरकार द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता पर आक्रमण, ई डी और सीबी आई जैसी एजेंसियों का विपक्षी दलों के नेताओं को निशाना बनाने के लिए दुरुपयोग, और पीएमएलए और अन्य कठोर कानूनों का सहारा लेकर विपक्षी राजनीतिज्ञों , कार्यकर्ताओ और पत्रकारों को बिना ट्रायल के जेल मे रखना और उनके खिलाफ अनर्गल एवं अवांछित आरोप लगाना इत्यादि एक आम बात हो गयी है और ये लगातार जारी है। भाजपा के तानाशाही रवैये एवं उसके नेताओ द्वारा संविधान बदल देने वाले बयानों का खामियाज़ा उसे 2024 के चुनाव में उठाना पडा है और वह बहुमत के आंकडे से काफी दूर रह गई। सबसे बडा झटका उस राज्य उत्तर प्रदेश मे लगा जँहा राम मंदिर बनने के बाद वह अपनी शानदार जीत के प्रति पूरी तरह आश्वस्त थी। हालांकि 2024 के चुनाव के परिणामों को देखकर ये नही लगता कि जनता ने भाजपा को पूरी तरह नकार दिया परंतु इन परिणामों ने भारतीय लोकतांत्रिक सस्थानों में जिम्मेदार पदों पर आसीन कई व्यक्तियों को सशक्त किया है और तानाशाही का विरोध करने का साहस और शक्ति जरुर प्रदान की है।

रोकनी होगी भोजन की बर्बादी

— रमेश सर्राफ धमोरा

रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं मानी जाती हैं। जिसके बिना मनुष्य का जीवन बहुत मुश्किल है। इसमें रोटी सबसे महत्वपूर्ण है। खाद्य सुरक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित किया जाना है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन मिल सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में हर दस में से एक व्यक्ति दूषित भोजन का सेवन करने से बीमार पड़ जाता है। जो सेहत के लिए एक बड़ा खतरा है। भोजन की कमी व दूषित भोजन खाने से प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और खाद्य और कृषि संगठन को दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व करने और पौष्टिक खाने के प्रति लोगों को जागरुक करने की जिम्मेदारी दी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 2018 में पहली बार खाद्य और कृषि संगठन के सहयोग से विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया था। इसके बाद पहली बार 7 जून 2019 में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाने लगा है। भारत का खाद्य मंत्रालय भोजन की बर्बादी को रोकने के लिए शदियों में मेहमानों की संख्या के साथ ही परोसे जाने वाले व्यंजनों की संख्या सीमित करने पर विचार कर रहा है। इस बारे में विवाह समारोह अधिनियम, 2006 कानून भी बनाया गया है। हालांकि इस कानून का कड़ाई से कहीं भी पालन नहीं किया जाता है। भारत में हर वर्ष जितना भोजन तैयार होता है उसका एक तिहाई बर्बाद हो जाता है। बर्बाद होने वाला भोजन इतना होता है कि उससे करोड़ों लोगों की खाने की जरूरत पूरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में बढ़ती सम्पन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार देश में हर साल पचास हजार करोड़ रुपए का भोजन बर्बाद चला जाता है। एक आंकलन के मुताबिक बर्बाद होने वाले भोजन की धनराशि से पांच करोड़ बच्चों की जिदगी संवारी जा सकती है। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य अपव्यय को रोके बिना खाद्य सुरक्षा सम्भव नहीं है। इस रिपोर्ट में वैश्विक खाद्य अपव्यय का अध्ययन पर्यावरणीय दृष्टिकोण से करते हुए बताया है कि भोजन के अपव्यय से जल, जमीन और जलवायु के साथ साथ जैव- विविधता पर भी बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक हमारी लापरवाही के कारण पैदा किए जाने वाले अनाज का एक तिहाई हिस्सा बर्बाद कर दिया जाता है। देश में एक तरफ करोड़ों लोग खाने को मोहताज हैं, वहीं लाखों टन खाना प्रतिदिन बर्बाद किया जा रहा है।हमारे देश में हर साल उतना गेहूं बर्बाद होता है, जितना आस्ट्रेलिया की कुल पैदावार है। नष्ट हुए गेहूं की कीमत लगभग 50 हजार करोड़ रुपये होती है और इससे 30 करोड़ लोगों को साल भर भरपेट खाना दिया जा सकता है। हमारे देश में 2.1 करोड़ टन अनाज केवल इसलिए बर्बाद हो जाता है। क्योंकि उसे रखने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडारण की सुविधा नहीं है। औसतन हर भारतीय एक साल में छह से 11 किलो अन्न बर्बाद करता है। साल में जितना सरकारी खरीदी का धान व गेहूं खुले में पड़े होने के कारण नष्ट हो जाता है। उतनी राशि से गांवों में पांच हजार वेयर हाउस बनाए जा सकते हैं। आज कल कई शहरो में समाजसेवी लोगो ने मिलकर रोटी बैंक बना रखा है। रोटी बैंक से जुड़े कार्यकर्ता शहर में घरों से व विभिन्न समारोह स्थलों से बचे हुये भोजन को एकत्रित कर जरूरत मंद गरीबो तक पहुंचाते हैं। इससे जहां भोजन की बर्बादी रूकती है, वहीं जरूरत मंदों को भोजन भी उपलब्ध होता है। इस दिशा में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अभियान सोंचे, खाए और बचाएं भी एक अच्छी पहल है। इसमें शामिल होकर की भोजन की बर्बादी रोकी जा सकती है। वर्तमान समय में समाज के सभी लोगों को मिलकर भोजन की बर्बादी रोकने के लिये सामाजिक चेतना लानी होगा। तभी भोजन की बर्बादी रोकने का अभियान सफल हो पायेगा।

खाने की बर्बादी रोकने की दिशा में देश में महिलाएं बहुत कुछ कर सकती हैं। महिलाओं को अपने घर के बच्चों में बचपन से यह आदत डालनी होगी कि जितनी भूख हो उतना ही खाना लो। एक- दूसरे से बांट कर खाना भी भोजन की बर्बादी को बड़ी हद तक रोक सकता है। हमें अपनी आदतों को सुधारने की जरूरत है। धार्मिक लोगों एवं स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए।

सुरक्षित स्थान हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार

साफ फुटपाथ और चलने के लिए सुरक्षित स्थान हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। इसे मुहैय्या कराना राज्य प्राधिकरण का दायित्व है। बंबई उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने यह कहा। फुटपाथ और सडक़ों को प्रधानमंत्री और अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिए एक दिन में खाली कराया जा सकता है, तो सभी लोगों के लिए रोज ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि नागरिक कर देते हैं, उन्हें साफ फुटपाथ और चलने की सुरक्षित जगह की जरूरत है। राज्य सरकार के सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता और बरसों से अधिकारियों द्वारा इस मुद्दे पर काम करने की बातें बनाने पर भी अदालत ने नाराजगी जताई। इस दिशा में कठोर कदम उठाने के साथ ही संबंधित अधिकारियों में इच्छाशक्ति की कमी की बात भी की। यह हालत केवल महानगरों की ही नहीं है। अव्वल तो फुटपाथ बमुश्किल नजर आते हैं। उन पर जबरदस्त कब्जा है। रेहड़ी-खोमचे वाले तो फुटपाथों को घेर ही लेते हैं। बड़े दूकानदार भी अपने माल के प्रदर्शन और फिजूल/रद्दी सामान रखने के लिए उसका अतिरिक्त स्थान की तरह धड़ल्ले से उपयोग करते हैं। कई स्थानों पर फुटपाथों को पार्किंग स्थल बना कर प्राधीकरण खुद वसूली के ठेके देता नजर आता है। अनधिकृत फेरी वालों और रेहड़ी वालों के लिए किसी भी सरकार और प्राधिकरण द्वारा कोई विशेष स्थान तय नहीं किया जाता।

शोटाइम का नया ट्रेलर जारी, इमरान हाशमी और मौनी रॉय फिर आएंगे साथ

धर्मेटिक एंटरटेनमेंट ने पहले शोटाइम के पहले पांच एपिसोड जारी किए थे, जिसमें इमरान हाशमी, मौनी रॉय, महिमा मकवाना और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में थे। इस सीरीज़ को फैंस और आलोचकों दोनों से सकारात्मक रिएक्शन मिली। हाल ही में, मेकर्स ने स्ट्रीमिंग के लिए सभी 12 एपिसोड जारी करने की घोषणा की। उत्साह को बढ़ाते हुए, उन्होंने अब एक ट्रेलर जारी किया है जो शेष एपिसोड में सामने आने वाली कहानी का पूर्वावलोकन करता है।इमरान हाशमी, मौनी रॉय, महिमा मकवाना और श्रिया सरन का शोटाइम ट्रेलर रिलीज़ हुआ हाल ही में रिलीज़ हुए शोटाइम के आधिकारिक ट्रेलर में, इमरान हाशमी का किरदार अपना विक्ट्री स्टूडियो खो देता है, जिसे नसीरुद्दीन शाह द्वारा यह तय करने के बाद कि वह इसे बेहतर तरीके से संभाल सकती हैं, एक मनोरंजन पत्रकार महिमा मकवाना संभाल लेती हैं। इस बीच, अपने डांस नंबरों के लिए मशहूर मौनी रॉय ने अपना ध्यान एक पूरी तरह से जासूसी थ्रिलर फिल्म में अभिनय करने पर केंद्रित कर दिया है।दूसरी ओर, राजीव खंडेलवाल खुद को एक स्टार कहते हैं, जबकि हाशमी अपनी फ्लॉप फिल्मों का हवाला देते हुए इससे असहमत हैं। ट्रेलर से पता चलता है कि हाशमी का किरदार अपने स्टूडियो को वापस पाने के लिए संघर्ष करता है और दिखाता है कि महिमा इसे चलाने में सक्षम नहीं है। यह सीरीज़ मशहूर हस्तियों के जटिल जीवन और शोबिज इंडस्ट्री में उनके संघर्षों को दर्शाती है, जिससे पता चलता है कि हर चमकने वाली चीज़ सोना नहीं होती।मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा डायरेक्ट शोटाइम, रघु खन्ना की मुक्ति और महत्वाकांक्षा की यात्रा को दर्शाता है। यह रिश्तों को सुधारने और अपनी प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करने के उनके प्रयासों पर केंद्रित है, जिसमें इसके पात्रों के वास्तविक जीवन और मनोरंजन उद्योग के भीतर उनके संघर्षों को दर्शाया गया है।

दक्षिण अफ्रीकाई दिग्गज जोंटी रोड्स को मिली अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली। वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी-20 का स्टेज सज कर तैयार है। इसी कड़ी में गुरुवार को वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी20 ने घोषणा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज खिलाड़ी जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में आयोजित वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी20 में इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स जैसी 6 टीमें शिरकत करती नजर आएंगी। इस लीग में दुनिया भर के प्रशंसकों को भारत, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के महानतम खिलाड़ियों की भिडंत देखने को मिलने वाली है। वर्ल्ड मास्टर्स लीग के ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल होने पर रोड्स ने कहा, 'यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए सम्मान की बात है।

बोपन्ना-एब्डेन डच जोड़ी को हराकर दूसरे दौर में, नागल बाहर

लंदन, भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने नीदरलैंड्स के रोबिन हासे और सैंडर अरेंड्स को हराकर विम्बलडन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने अपने डच विरोधियों को वर्षा की बाधा के बावजूद एक घंटे 11 मिनट में 7-5, 6-4 से हरा दिया। दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने ग्रास कोर्ट मेजर के शुरुआती मुकाबले में अपने विरोधियों को दबाव में रखने के लिए कोर्ट पर शानदार खेल दिखाया। बोपन्ना और एब्डेन गुरुवार को दूसरे दौर में हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्स्टेंटिन फ्रांत्ज़ेन की जर्मन जोड़ी से भिड़ेंगे। हालाँकि, बुधवार को अपने सर्बियाई साथी दुसान लाजोविच के साथ पुरुष युगल के पहले दौर के मैच में हारने के बाद सुमित नागल का अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हो गया। इन दोनों को स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज और जाउम मुनार ने 6-2, 6-2 से हराया।

इससे पहले, नागल को विंबलडन में अपने पहले मुख्य ड्रॉ में पुरुष एकल के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच, एन श्रीराम बालाजी और युकी भांबरी दिन के अंत में पुरुष युगल के पहले दौर में चौथी वरीयता प्राप्त सर्बियाई-सल्वाडोरन जोड़ी मेट पाविच और मार्सेलो अरेवालो के खिलाफ खेलेंगे।

पहली बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं मराठी एक्ट्रेस हृता दुर्गुले

मराठी एक्ट्रेस हृता दुर्गुले आगामी थ्रिलर सीरीज कमांडर करण सक्सेना में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने जा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की।

रचना म्हात्रे की भूमिका निभाने को लेकर हृता ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा, रचना का किरदार निभाना एक शानदार अनुभव रहा है। किरदार में कई रंग हैं, इसलिए मैं दृश्यों को करते हुए बहुत कुछ एक्सप्लोर कर पाई। मेरे निर्देशक जतिन वागले सर ने शूटिंग के दौरान मेरा बहुत साथ दिया। उन्हीं की वजह से मैं पुलिस और रॉ की बारीकियों को समझ पाई।

हृता ने कहा, मैं पहली बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हूं। सच कहूं तो, मैं स्पेशल ऑपरेशन जैसे शो की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। मैं एक कलाकार के तौर पर उस दुनिया को एक्सप्लोर करना चाहती थी। मैं इसके लिए आभारी हूं कि मैं रचना का किरदार निभा पाई। रचना का कभी हार न मानने वाला रवैया मुझे व्यक्तिगत रूप से पसंद है। एक अच्छी बेटी और एक अच्छी पुलिस अधिकारी बनने की उसकी निरंतर लड़ाई मुझे उसकी मानवता से प्यार करने पर मजबूर करती है।

जतिन वागले द्वारा निर्देशित और कीलाइट प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित कमांडर करण सक्सेना को अमित खान ने लिखा है। इस सीरीज में गुरमीत चौधरी मुख्य भूमिका में हैं और इकबाल खान भी हैं। यह एक निडर रॉ एजेंट की कहानी है जो देश की सुरक्षा के लिए एक बड़े राजनीतिक रहस्य को सुलझाने की कोशिश करता है। यह सीरीज 8 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रीमियर होने वाली है।

बॉक्स ऑफिस पर मुंज्या की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी, क्या बन पाएगी 100 करोड़ी?

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में दर्शकों के मनोरंजन के लिए लगी हुई हैं, जिनमें एक नाम हॉरर और कॉमेडी से भरपूर फिल्म मुंज्या का नाम भी शामिल है।इस फिल्म को रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है और यह दर्शकों के बीच पकड़ मजबूत बनाए हुए है।हालांकि, प्रभास की कल्कि 2898 एडी के रिलीज होते ही मुंज्या की कमाई लाखों में सिमट गई है।आइए जानते हैं फिल्म ने 25वें दिन कितने लाख रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मुंज्या ने अपनी रिलीज के 25वें दिन यानी सोमवार को 55 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 95.45 करोड़ रुपये हो गया है।

पंकज आडवाणी का एशियाई बिलियर्ड्स में विजय क्रम जारी

रियाद, एशियाई बिलियर्ड्स में खिताबी हैट्रिक की तलाश में उतरे भारत में शीर्ष क्यूइस्ट पंकज आडवाणी ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए सिद्धार्थ पारिख को 4-2 से हरा दिया।

पंकज और सिद्धार्थ के बीच छह फ्रेम के मुकाबले में दोनों ने दबाव के बावजूद अपना कौशल दिखाया। मैच की शुरुआत सिद्धार्थ के बढ़त लेने से हुई। सटीकता और नियंत्रण दिखाते हुए, उन्होंने 101 अंक बनाए और पंकज 38 के साथ पीछे रह गए। सिद्धार्थ के शानदार प्रदर्शन ने मैच का माहौल तैयार कर दिया। दूसरा फ्रेम काफी रोमांचक था। सिद्धार्थ 100 से 99 के करीबी स्कोर के साथ पंकज को पछाड़ने में कामयाब रहे। विशेष रूप से, सिद्धार्थ के पास 65 का ब्रेक था, जबकि पंकज ने 92 के प्रभावशाली ब्रेक के साथ फ्रेम को लगभग अपने पक्ष में कर लिया था। अगले फ्रेम में जाकर, पंकज ने जोरदार वापसी की और सिद्धार्थ को 101 से 0 के स्कोर के साथ पूरी तरह से हरा दिया। 60 का उनका ब्रेक उनके रणनीतिक कौशल और निष्पादन का प्रमाण था। चौथा फ्रेम एक गहन लड़ाई थी। सिद्धार्थ ने 95 अंक बनाए, जिसमें 95 का ब्रेक भी शामिल था, लेकिन यह पंकज के 101 को पार करने के लिए पर्याप्त नहीं था। पंकज ने 93 के ब्रेक के साथ, दबाव में प्रदर्शन करने के अपने लचीलेपन और क्षमता का प्रदर्शन किया और मामूली अंतर से फ्रेम जीत लिया। उन्होंने पांचवें फ्रेम में अपना दबदबा जारी रखा और सिद्धार्थ के 2 के मुकाबले 104 का स्कोर बनाया। 87 के उल्लेखनीय ब्रेक के साथ, पंकज ने अपने लगातार उच्च स्तरीय खेल और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे सिद्धार्थ को वापसी करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अंतिम फ्रेम में, सिद्धार्थ ने शानदार प्रयास करते हुए 95 के ब्रेक के साथ 95 अंक बनाए। हालांकि, 77 के ब्रेक सहित पंकज के 102 अंक ने फ्रेम और मैच में उनकी जीत सुनिश्चित कर दी।

एक नजर

एक राज्य मार्ग सहित 15 सड़कें बंद

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले में रुक-रुक कर बारिश होने की वजह से सड़कों पर मलबा आ रहा है। गुरूवार को एक राज्य मार्ग सहित 15 सड़कों पर आवाजाही बंद रही। जिस कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को जिले में जहां पांच सड़कें बंद रही है, वहीं गुरुवार को इनकी संख्या में बढ़ोत्तरी हो गई और 15 सड़कों पर मलबा आने से इन पर आवाजाही नहीं हो सकी। बंद सड़कों में स्टेट हाईवे लक्ष्मणझूला-रथुवाढ़ाब-धुमाकोट सहित सिंराई-जौली, ऐता-चरेख, गैंडखाल-कटघर, चिनबौ संपर्क मार्ग, नैनीडांडा-शंकरपुर, जडाऊखांद-मजैंडाबैंड, द्वारी-सिलगांव आदि सड़कें शामिल है। लोनिवि ने बंद सड़कों को खोलने के लिए जेसीबी लगाई है।

बीरोंखाल ब्लॉक के जोगीमढ़ी में पेयजल किल्लत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बीरोंखाल क्षेत्र में अभी भी ग्रामीण पेयजल किल्लत से जूझ रहे है। हालांकि जल संस्थान लोगों की मांग पर ट्रैंकर से पानी की आपूर्ति कर रहा है। लोगों ने आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है। वहीं पौड़ी मुख्यालय के कई मोहल्लों में पानी एक दिन छोड़कर आ रहा है। जल संस्थान के जेई सौरभ पांडे ने बताया कि जोगीमढ़ी, वेदीखाल सहित अन्य क्षेत्रों से अभी भी पानी की डिमांड आ रही है। बारिश कम होने के कारण पेयजल योजनाओं के स्रोतों पर पानी का डिस्चार्ज नहीं बढ़ा है। हल्की बारिश से अब लोग सिंचाई आदि नहीं कर रहे है तो डिमांड कम हुई है। वहीं पौड़ी मुख्यालय के कई मोहल्लों में पानी एक दिन छोड़कर आ रहा है। नानघाट पेयजल योजना के स्रोत पर पानी कम होने से यह दिक्कत आ रही है। जल संस्थान के एई सोहन सिंह जठूड़ी ने बताया पेयजल सप्लाई फिलहाल सामान्य है, लेकिन नानघाट का डिस्चार्ज अभी भी नहीं बढ़ पाया है।

बेअसर हुआ अतिक्रमण हटाना, फुटपाथ पर फिर सजी दुकानें

● न्यायालय के आदेश के बाद नगर निगम ने खाली करवाए थे बरामदें ● खाली बरामदों में फिर सज गई हैं दुकानें, पैदल चलना भी मुश्किल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : न्यायालय के आदेश पर जब निगम ने अतिक्रमण की जद में आए अपने बरामदें खाली करवाया तो उम्मीद थी कि अब सड़क किनारे पैदल चलने के लिए फुटपाथ मिल जाएगा। लेकिन, अतिक्रण हटाने के बाद नगर निगम गहरी नींद में सो गया। नतीजा एक बार फिर व्यापारियों ने फुटपाथ पर कब्जा करना शुरू कर दिया है। नतीजा, आमजन फुटपाथ छोड़ सड़क पर आवागमन को मजबूर है।

नवंबर 2020 में उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर निर्णय सुनाते हुए नगर निगम व जिला प्रशासन को आठ सप्ताह में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरामदे/फुटपाथ खाली करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर निगम को स्वयं की नजूल भूमि से अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश दिए। न्यायालय के आदेश पर नगर निगम प्रशासन ने नोटिस जारी किए। जिसके बाद कुछ अतिक्रमणकारियों ने स्वयं ही अपने अतिक्रमण हटा दिए। कुछ व्यापारी अतिक्रमण हटाने के बजाए न्यायालय की शरण में गए। नतीजा, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई थम गई। न्यायालय ने इन भवन स्वामियों की सुनवाई कर पूर्व में जारी निर्णय को यथावत रखा। नतीजा, मार्च 2022 में एक बार फिर नगर निगम प्रशासन ने 43 भवन स्वामियों के अतिक्रमण चिह्नित कर उन्हें नोटिस जारी कर दिए। भवन स्वामी उक्त निर्णय के खिलाफ पुनः न्यायालय गए।

लेकिन, राहत नहीं मिली। जिसके बाद नगर निगम प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी कर दिए। निगम की ओर से जारी नोटिसों के बाद कुछ व्यापारियों ने फुटपाथ पर हुए अतिक्रमण को हटा दिया। जबकि 26 अगस्त 2023 को नगर निगम ने स्वयं ही कई व्यापारियों के बरामदे तोड़ कब्जा हटाया। हालांकि, नगर निगम ने बरामदे खाली करने का अभियान झंडाचौक से मालवीय उद्यान के मध्य ही चलाया। जबकि नगर निगम से गिवई स्रोत पुल के मध्य कोई अतिक्रमण नहीं हटाया गया।

कोटद्वार में झंडा चौक से मालवीय उद्यान की ओर नाली किनारे फुटपाथ पर व्यापारियों द्वारा रखा गया सामान

वर्तमान की स्थिति

नगर निगम की कार्रवाई के बाद उम्मीद थी कि राहगीरों के आवागमन को फुटपाथ खाली हो जाएंगे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। नगर निगम के दबाव में व्यापारियों ने फुटपाथ तो खाली हो गए। लेकिन, निगम के निगाह फेरते ही व्यापारियों ने फुटपाथ पुनः कब्जा दिए। वर्तमान में झंडाचौक से मालवीय उद्यान तक व्यापारियों ने फुटपाथों पर पुनः कब्जे कर दिए हैं। नतीजा, राहगीर वाहनों के बीच से गुजरते हुए सड़क पर आवागमन को विवश हैं।

रामनगर व कोटद्वार के लिए बस सेवा शुरू नहीं होने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा ने लखनऊ से रामनगर व कोटद्वार के लिए रात्रि बस सेवा की सुविधा न होने पर आक्रोश जताया। कहा कि रात्रि बस सेवा की सुविधा न होने से लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। महासभा के राष्ट्रीय महासचिव पं. मनमोहन दुदपुड़ी ने बताया कि परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि लखनऊ से उत्तराखंड के मुख्य शहरों के लिए आने जाने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की रात्रि बस सेवा की सुविधा तो है। लेकिन, रामनगर व कोटद्वार के लिए रात्रि बस सेवा की सुविधा नहीं है। नतीजा, इन क्षेत्रों के यात्रियों को अन्य शहरों से घूमकर आना पड़ता है। इस कार्य में मुसाफिरों को समय भी अधिक लगता है व आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। कहा कि विशाल जनसंख्या वाले क्षेत्र रामनगर व कोटद्वार के लिए रात्रि बस सेवा की सुविधा मिल जाए तो लोगों को अपने गंतव्यों तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को रात्रि बस सेवा की सुविधा दिए जाने के लिए निर्देशित करने की मांग की है।

शहर की अनदेखी पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में अतिक्रमण सहित अन्य समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर नागरिक मंच ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि नगर निगम बनाने के बाद भी जनता को बेहतर सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे में शहर की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस संबंध में मंच के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश नैथानी व महासचिव अतुल भट्ट ने नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया। बताया कि गत मार्च माह में मंच ने नगर निगम के घेराव की योजना बनाई थी। जिसमें अधिकारियों ने जल्द ही शहर में अतिक्रमण, पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने का वादा किया था। लेकिन, अब तक इन समस्याओं को लेकर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है। नतीजा शहर में सफाई सहित अन्य समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में अब नागरिक मंच के सदस्य नौ जुलाई को निगम के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगे।

55 प्रतिशत अंकों की बाध्यता को करें समाप्त

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सीआरपी बीआरपी पदों पर भर्ती में स्नातकोत्तर में 55 प्रतिशत अंकों की बाध्यता करने पर बीएड प्रशिक्षित युवा संघ ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि विद्यार्थियों के हित को देखते हुए बाध्यता को समाप्त किया जाना चाहिए।

बैठक में महासंघ के प्रवक्ता अरविंद दुदपुड़ी ने कहा कि जब एलटी प्रवक्ता सहित किसी भी पद पर यह बाध्यता नहीं है। ऐसे में सीआरपी, बीआरपी के पदों पर अंकों की बाध्यता को थोपना ठीक नहीं है। साथ ही कंप्यूटर दक्षता का प्रमाण पत्र भी मांगा जा रहा है। कंप्यूटर की दक्षता को लेकर भी स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। कहा कि उत्तराखंड बेरोजगार संघ ने आउटसोर्स कंपनी पर मानक पूरे न करने के भी आरोप लगाए थे, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

साथ ही सीआरपी, बीआरपी पदों पर आवेदन करने की अंतिम तिथि भी बढ़ाई जानी चाहिए। इस मौके पर अजय खंतवाल, अनिल रतूड़ी, दीपक डोबरियाल, शुभम, हिमांशु रावत, उमेश रावत, अनमोल, मोहित ठाकुर, नवीन गौड़, बबीता भारद्वाज, साक्षी नेगी, पूनम कश्यप, सुमिता पंत, शिखा चौधरी, प्रदीप रावत आदि मौजूद रहे।

गुलदार की धमक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में गुलदार की धमक कम होने का नाम नहीं ले रही। लैंसडोन में पिछले कई दिनों से गुलदार की दहशत बनी हुई है। ऐसे में ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया। बीते कुछ दिनों से लैंसडौन क्षेत्र में गुलदार की दह.शत बनी है। देर शाम को गुलदार ने बौंठागांव में पंडित सतेश्वर बौठियाल के पालतू कुत्ते पर हमला कर दिया। शोर मचने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया। पंडित सतेश्वर ने बताया कि लैंसडौन नगर में रात आठ से नौ बजे के आसपास एमईएस तिराहे, वेतन लेखा कार्यालय मोड़, कुल्ली मोहल्ला, फॉरेस्ट कॉलोनी, कालेश्वर मंदिर क्षेत्र में गुलदार दिखाई दे रहा है, जिससे लोगों में भय है। उन्होंने गुलदार की दहशत से निजात दिलाने की मांग की।

गोखले मार्ग में दो पक्षों में चले लात-घूंसे, पहुंची पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गोखले मार्ग में अतिक्रमण के कारण आए दिन विवाद हो रहे हैं। गुरुवार को सड़क पर बाइक लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। मामला यहां तक पहुंच गया कि दोनों पक्षों के बीच लात घूंसे चलने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को पकड़कर कोतवाली ले आई।

घटना गुरुवार दोपहर की है। एक बाइक सवार ने दुकान के बाहर अपनी बाइक खड़ी कर दी थी। व्यापारी ने जब बाईक को अन्यत्र लगाने के लिए कहा तो बाइक सवार व व्यापारी में बोलचाल होने लगी। देखते ही देखते दोनों के परिचित भी वहां पहुंच गए और खूब लात घूंसे चलने लगे। पुलिस के पहुंचने पर भी दोनों पक्ष एक-दूसरे को पीटने के लिए दौड़ रहे थे। ऐसे में पुलिस दोनों पक्षों को पकड़कर कोतवाली ले आई। जहां कुछ देर बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। मालूम हो कि गोखले मार्ग पर अतिक्रमण के कारण आए दिन इस तरह की स्थिति बनी रहती है। सड़क पर सजी रेहड़ी-ठेलियों के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। कुछ माह पूर्व भी एक छोटे बच्चे को एक वाहन ने टक्कर मार दी थी। हालांकि बच्चे को कोई चोट नहीं आई। लेकिन, बड़ा हादसा होने से बच गया।

विवाद के बाद मौके पर पहुंची पुलिस

राहुल गांधी के बयान पर आक्रोश, कार्रवाई की मांग

उपजिलाधिकारी के मध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : देश की संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर हिंदू जागरण मंच की स्थानीय इकाई ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि इस पर नेता प्रतिपक्ष पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

गुरुवार को मंच के जिला संयोजक सौरभ गोदियाल के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी के माध्यम से देश के राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। मंच कार्यकर्ताओं ने कहा है कि सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने जो बयान दिया उसकी मंच निंदा करता है। राहुल गांधी ने भगवान शिव की तस्वीर दिखते हुए हिंदुओं के साथ अभय मुद्रा का भी मजाक उड़ाया। कहा कि राहुल गांधी के इस कार्य से हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में रमेश सिंह, गणेश सिंह, प्रीतम सिंह, प्रवीन रावत, पंकज नेगी, रवींद्र बिष्ट, प्रकाश ढौंडियाल, सोनम गुसांई और शशि रावत आदि थे।

शिक्षक करेंगे आयुष्मान कार्ड बनाने में मदद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव-गांव जाकर लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जायेगें। इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग शिक्षा विभाग की मदद लेगा। इस कार्य में स्वास्थ्य के 173 सामुदायिक स्वास्थ्य अफसर भी सहायता करेंगे।

एसीएमओ डॉ. रमेश कुंवर ने बताया कि जिले के सभी 1183 राजस्व गांवों में पहुंचकर आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। लोगों की आवश्यकता के अनुसार आधार कार्ड भी अपग्रेड और नए बनाए जा सकेंगे। बताया कि इस कार्य के लिए शिक्षा विभाग से मदद ली जा रही है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की आरबीएसके टीम शिक्षकों को आयुष्मान कार्ड की जरूरी जानकारियां देगी। इसके बाद शिक्षक ही अपने स्कूल और आसपास के बच्चों के कार्ड ऑनलाइन बना पाएंगे। गूगल प्ले-स्टोर से आयुष्मान कार्ड ऐप को डाउनलोड करके भी मोबाइल से इसे बनाया जा सकता है। बताया कि इस कार्य में स्वास्थ्य के 173 सामुदायिक स्वास्थ्य अफसर भी सहायता करेंगे। यह कार्यक्रम जिले के सभी स्कूलों में संचालित होगा।

सुरक्षित पर्यावरण में दें योगदान : डीएम

डीएम डॉ. आशीष चौहान ग्रामीणों के साथ पौधा रोपते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने विकासखंड पौड़ी के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय गाड़कामहर गांव में ग्रामीणों के साथ पौध रोपण व स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि मानसून सीजन में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण करें तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करें। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे प्रयास करके भी पर्यावरण को सुरक्षित बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।जिलाधिकारी ने गुरियाल, सीट्रस व बांज के पौधे का रोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक बताया। कहा कि पौध रोपण से न केवल हमारे पर्यावरण को फायदा होता है, बल्कि यह हमें स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण प्रदान करता है। जिलाधिकारी ने कहा कि पृथ्वी पर धीरे-धीरे जंगल कम होते जा रहे हैं और जंगलों का कटान बहुत तेजी से होता जा रहा है। कहा कि भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए भावी पीढ़ियों को ऑक्सीजन, पानी एवं अन्य किसी प्रकार की दिक्कते न हो, यह सोचकर आज वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया जाना अति आवश्यक है।

अदालती सूचना

न्यायालय तहसीलदार कोटद्वार गढ़वाल
मु0 प्रार्थनापत्र संख्या-289/2022-2023

श्री जगत सिंह, श्री बलवन्त सिंह पुत्रगण स्व0 भीम सिंह, निवासीगण ग्राम पदमपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल

- **प्रार्थीगण/क्रेतागण**

-बनाम-

आनन्द सिंह पुत्र कुन्दन सिंह निवासी ग्राम पदमपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल - विक्रेता

समन बनाम - 1- तुलाराम, 2- चक्रधर, 3- हरिमोहन, 4- ललित मोहन पुत्रगण स्व0 जोगेश्वर प्रसाद, 5- चन्द्रमोहन, 6- बृजमोहन पुत्रगण स्व0 कामरूप, समस्त निवासीगण ग्राम पदमपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।

चूंकि उपरोक्त प्रार्थीगण/ क्रेतागण ने एक प्रार्थनापत्र इस आशय का मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है कि प्रार्थीगण ने श्री आनन्द सिंह पुत्र कुन्दन सिंह से ग्राम पदमपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल के साबिक खतौनी खाता संख्या- 62, हाल खतौनी खाता संख्या-49 के खेत संख्या-41 मध्ये एक बीघा 14 विश्वा याने 0.100 है0 भूमि दिनांक 14-06-1993 को पंजीकृत विक्रयपत्र के द्वारा खरीद की थी और दा0खा0 वाद संख्या-232/1992-93 में पारित आदेश के अनुसार प्रार्थीगण/क्रेतागण के नाम पर उक्त भूमि का दा0खा0 स्वीकृत हुआ और हाल खतौनी में प्रार्थीगण/क्रेतागण के नाम दर्ज नहीं है। चूंकि उपरोक्त आनन्द सिंह पुत्र कुन्दन सिंह ने उक्त भूमि आप नोटिस प्रेषितीगण के पिता जोगेश्वर प्रसाद एवं कामरूप पुत्रगण स्व0 घनश्याम से खरीद की थी, इसलिए आप नोटिस प्रेषितीगण के हक से उक्त एक बीघा 14 विश्वा भूमि खारिज कर प्रार्थीगण/क्रेतागण के नाम पर दा0खा0 दर्ज किये जाने बावत प्रेषित किया है। लिहाजा आप नोटिस प्रेषितीगण को दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित सूचना के अनुसार नोटिस प्रकाशित होने के सात दिनों याने दिनांक 10-07-2024 के अन्दर मेरे न्यायालय में असालतन या वकालतन अपना पक्ष प्रस्तुत करें। वाद प्रकाशित सूचना के अन्दर आप नोटिस प्रेषितीगण के द्वारा अपना पक्ष प्रस्तुत न करने पर एक पक्षीय कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। यह उपस्थित होने का अंतिम अवसर है।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत के आज दिनांक 03-07-2024 को जारी किया गया।

तहसीलदार
कोटद्वार गढ़वाल
(0248/19)

प्री नॉन-इंटरलॉकिंग एवं नॉन-इंटरलॉकिंग के चलते रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण / मार्ग परिवर्तन / आंशिक निरस्तीकरण / पुनर्निधारण एवं रोककर चलाना

आधारभूत अवसंरचना को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे द्वारा मुरादाबाद डिवीजन के शाहजहाँपुर जं. – लखनऊ एवं रोज़ा – सीतापुर सिटी डबल लाइन सैक्शन एवं रोज़ा स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के कार्यान्वयन हेतु दिनांक 07.07.2024 से 05.08.2024 तक उपयुक्त ट्रैफिक ब्लॉक्स लिये जायेंगे। परिणामस्वरूप, निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ उनके समक्ष दर्शायी गई तिथियों को निम्नानुसार प्रभावित रहेंगी:–

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	निरस्तीकरण की तिथि (यों) (आरंभिक स्टेशन से)
14617 बनमनखी जं. – अमृतसर जं. जनसेवा एक्सप्रेस	27.07.2024 से 07.08.2024
14618 अमृतसर जं. – बनमनखी जं. जनसेवा एक्सप्रेस	25.07.2024 से 05.08.2024
12492 जम्मू तवी – बरौनी जं. मौर ध्वज एक्सप्रेस	26.07.2024 एवं 02.08.2024
12491 बरौनी जं. – जम्मू तवी मौर ध्वज एक्सप्रेस	28.07.2024 एवं 04.08.2024
15211 दरभंगा जं. – अमृतसर जं. जननायक एक्सप्रेस	23.07.2024 से 04.08.2024
15212 अमृतसर जं. – दरभंगा जं. जननायक एक्सप्रेस	25.07.2024 से 06.08.2024
22423 गोरखपुर जं. – अमृतसर जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	22.07. 29.07 से 05.08.2024
22424 अमृतसर जं. – गोरखपुर जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	21.07, 28.07 से 04.08.2024
14603 सहरसा जं. – अमृतसर जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	26.07.2024 एवं 02.08.2024
14604 अमृतसर जं. – सहरसा जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	24.07.2024 एवं 31.07.2024
22551 दरभंगा जं. – जलंधर सिटी अंतोदय सुपरफास्ट एक्सप्रेस	27.07.2024 एवं 03.08.2024
22552 जलंधर सिटी – दरभंगा जं. अंतोदय सुपरफास्ट एक्सप्रेस	28.07.2024 एवं 04.08.2024
22453 लखनऊ जं. – मेरठ सिटी जं. राज्यराणी एक्सप्रेस	31.07.2024 से 05.08.2024
22454 मेरठ सिटी जं. – लखनऊ जं. – राज्यराणी एक्सप्रेस	01.08.2024 से 06.08.2024
14235 वाराणसी जं. – बरेली एक्सप्रेस	31.07.2024 से 04.08.2024
14236 बरेली – वाराणसी जं. एक्सप्रेस	01.08.2024 से 05.08.2024
14307/14308 प्रयागराज संगम – बरेली – प्रयागराज संगम एक्सप्रेस	01.08.2024 से 05.08.2024
15043 लखनऊ जं. – काठगोदाम एक्सप्रेस	21.07, 22.07, 24.07, 25.07, 26.07, 28.07, 29.07, 31.07 एवं 01.08, 02.08, 04.08.2024
15044 काठगोदाम – लखनऊ जं. एक्सप्रेस	22.07, 23.07, 25.07, 26.07, 27.07, 29.07, 30.07 एवं 01.08, 02.08, 03.08, 05.08.2024
15904 चंडीगढ़ – डिब्रुगढ़ एक्सप्रेस	31.07.2024 एवं 04.08.2024
15903 डिब्रुगढ़ – चंडीगढ़ एक्सप्रेस	29.07.2024 एवं 02.08.2024
15119 बनारस – देहरादून एक्सप्रेस	23.07.2024 से 04.08.2024
15120 देहरादून – बनारस एक्सप्रेस	24.07.2024 से 05.08.2024
14241 प्रयागराज संगम – सहारनपुर नौचन्डी एक्सप्रेस	22.07.2024 से 04.08.2024
14242 सहारनपुर – प्रयागराज संगम नौचन्डी एक्सप्रेस	23.07.2024 से 05.08.2024
13257 दानापुर – आनन्द विहार टर्मिनल जनसाधारण एक्सप्रेस	01.08.2024 से 04.08.2024
13258 आनन्द विहार टर्मिनल – दानापुर जनसाधारण एक्सप्रेस	02.08.2024 से 05.08.2024
15011 लखनऊ जं. – चंडीगढ़ एक्सप्रेस	31.07.2024 से 04.08.2024
15012 चंडीगढ़ – लखनऊ जं. एक्सप्रेस	01.08.2024 से 05.08.2024
15073 सिंगरौली – टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस	01.08, 03.08 एवं 06.08.2024
15075 शक्तिनगर – टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस	31.07, 02.08, 04.08 एवं 05.08.2024
15076 टनकपुर – शक्तिनगर त्रिवेणी एक्सप्रेस	30.07, 01.08, 03.08 एवं 04.08.2024
15074 टनकपुर – सिंगरौली त्रिवेणी एक्सप्रेस	31.07, 02.08 एवं 05.08.2024
15127 बनारस – नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस	31.07.2024 से 04.08.2024
15128 नई दिल्ली – बनारस काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस	01.08.2024 से 05.08.2024
12203 सहरसा जं. – अमृतसर जं. गरीब रथ एक्सप्रेस	04.08.2024 एवं 05.08.2024
12204 अमृतसर जं. – सहरसा जं. गरीब रथ एक्सप्रेस	03.08.2024 एवं 04.08.2024
15910 लालगढ़ जं. – डिब्रुगढ़ अवध असम एक्सप्रेस	01.08.2024 से 04.08.2024
15909 डिब्रुगढ़ – लालगढ़ जं. अवध असम एक्सप्रेस	29.07.2024 से 01.08.2024
15654 जम्मू तवी – गुवाहाटी अमरनाथ एक्सप्रेस	02.08.2024
15653 गुवाहाटी – जम्मू तवी अमरनाथ एक्सप्रेस	31.07.2024
12588 जम्मू तवी – गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस	03.08.2024
12587 गोरखपुर – जम्मू तवी सुपरफास्ट एक्सप्रेस	04.08.2024
15623 भगत की कोठी – कामाख्या एक्सप्रेस	30.07.2024 एवं 06.08.2024
15624 कामाख्या – भगत की कोठी एक्सप्रेस	26.07.2024 एवं 02.08.2024
15531 सहरसा जं. – अमृतसर जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	21.07, 28.07 एवं 04.08.2024
15532 अमृतसर जं. – सहरसा जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	22.07, 29.07 एवं 05.08.2024
12407 न्यू जलपाईगूड़ी – अमृतसर जं. कर्मभूमि एक्सप्रेस	24.07, 31.07 एवं 07.08.2024
12408 अमृतसर जं. – न्यू जलपाईगूड़ी कर्मभूमि एक्सप्रेस	19.07, 26.07 एवं 02.08.2024
15655 कामाख्या – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस	21.07.2024 एवं 28.07.2024
15656 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – कामाख्या एक्सप्रेस	24.07.2024 एवं 31.07.2024
04379 रोज़ा जं. – बरेली मेल एक्सप्रेस	23.07.2024 से 06.08.2024
04380 बरेली – रोज़ा जं. मेल एक्सप्रेस	22.07.2024 से 05.08.2024
05459/05460 सीतापुर जं. – शाहजहाँपुर – सीतापुर जं. अनारक्षित स्पेशल	22.07.2024 से 05.08.2024
04305 बालामऊ जं. – शाहजहाँपुर एमईएक्स स्पेशल	21.07.2024 से 05.08.2024
04306 शाहजहाँपुर – बालामऊ जं. एमईएक्स स्पेशल	23.07.2024 से 07.08.2024
04337/04338 सीतापुर सिटी – शाहजहाँपुर – सीतापुर सिटी एक्सप्रेस स्पेशल	22.07.2024 से 06.08.2024

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग (वाया)	मार्ग परिवर्तन तिथि (यों) (आरंभिक स्टेशन से)
20504 नई दिल्ली – डिब्रुगढ़ राजधानी एक्सप्रेस	गाजियाबाद जं. – कानपुर सेन्ट्रल – लखनऊ	05.08.2024
15529 सहरसा जं. – आनन्द विहार ट. जनसाधारण एक्सप्रेस	सीतापुर – पीलीभीत जं. – बरेली सिटी – रामगंगा	24.07.2024 एवं 31.07.2024
15530 आनन्द विहार ट. – सहरसा जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	रामगंगा – बरेली सिटी – पीलीभीत जं. – सीतापुर	24.07.2024 एवं 01.08.2024
15621 कामाख्या – आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस	सीतापुर – पीलीभीत जं. – बरेली सिटी – रामगंगा	25.07.2024 एवं 01.08.2024
15622 आनन्द विहार टर्मिनल – कामाख्या एक्सप्रेस	रामगंगा – बरेली सिटी – पीलीभीत जं. – सीतापुर	27.07.2024 एवं 03.08.2024
14009 बापूधाम मोतिहारी–आनन्द विहार टर्मिनल चम्पारण सत्याग्रह एक्सप्रेस	सीतापुर – पीलीभीत जं. – बरेली सिटी – रामगंगा	21.07, 23.07, 25.07, 28.07, 30.07 एवं 01.08, 04.08.2024
14010 आनन्द विहार टर्मिनल – बापूधाम मोतिहारी चम्पारण सत्याग्रह एक्सप्रेस	रामगंगा – बरेली सिटी – पीलीभीत जं. – सीतापुर	22.07, 24.07, 27.07, 29.07, 31.07 एवं 03.08.2024

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम	स्टेशन जहां रेलगाड़ी यात्रा समाप्त/प्रारंभ करेगी	स्टेशन जिनके के बीच रेलगाड़ी रद्द रहेगी	आंशिक निरस्तीकरण की तिथियां (प्रारंभिक स्टेशन से)
12369 हावड़ा जं. – देहरादून कुंभ एक्सप्रेस	लखनऊ पर	बरेली – मुरादाबाद – लक्सर जं. – हरिद्वार जं. – देहरादून	31.07, 01.08, 03.08 एवं 04.08.2024
12370 देहरादून – हावड़ा जं. कुंभ एक्सप्रेस	लखनऊ से	देहरादून – हरिद्वार जं.–लक्सर जं. – मुरादाबाद – बरेली	01.08, 02.08, 04.08 एवं 05.08.2024
12327 हावड़ा जं. – देहरादून उपासना एक्सप्रेस	लखनऊ पर	बरेली – मुरादाबाद – लक्सर जं. – हरिद्वार जं. – देहरादून	02.08.2024
12328 देहरादून – हावड़ा जं. उपासना एक्सप्रेस	लखनऊ से	देहरादून – हरिद्वार जं.–लक्सर जं. – मुरादाबाद – बरेली	03.08.2024
04319 लखनऊ – शाहजहाँपुर एक्सप्रेस स्पेशल	बालामऊ जं. पर	मसीत – करना – हरदोई – कौड़ा – बेहटा गोकुल – टोडरपुर – आंझी शाहबाद – ऐगवाँ – कहिलिया – रोज़ा जं. शाहजहाँपुर	06.07.2024 से 05.08.2024
04320 - शाहजहाँपुर – लखनऊ एक्सप्रेस स्पेशल	बालामऊ जं. से	शाहजहाँपुर – रोज़ा जं. – कहिलिया – ऐगवाँ – आंझी शाहबाद – टोडरपुर – बेहटा गोकुल – कौड़ा – हरदोई – करना – मसीत	07.07.2024 से 06.08.2024

रेलगाड़ियों का पुनर्निधारण

रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम	पुनर्निधारण रेलगाड़ियाँ
12392 नई दिल्ली – राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 05.08.2024 को नई दिल्ली से 13:10 के स्थान पर 14:10 बजे (60 मिनट देरी से) प्रस्थान करेगी।
20504 नई दिल्ली – डिब्रुगढ़ राजधानी एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 03.08.2024 को नई दिल्ली से 11:25 के स्थान पर 12:40 बजे (75 मिनट देरी से) प्रस्थान करेगी।
20506 नई दिल्ली – डिब्रुगढ़ राजधानी एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 04.08.2024 को नई दिल्ली से 11:25 के स्थान पर 12:40 बजे (75 मिनट देरी से) प्रस्थान करेगी।
13151 कोलकाता – जम्मू तवी एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 02.08.2024 एवं 03.08.2024 को कोलकाता से 11:45 के स्थान पर 01:45 बजे (120 मिनट देरी से) एवं दिनांक 04.08.2024 को 11:45 के स्थान पर 15:45 बजे (240 मिनट देरी से) प्रस्थान करेगी।
13152 जम्मू तवी – कोलकाता एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 01.08.2024 को जम्मू तवी से 20:30 बजे के स्थान पर 22:30 बजे (120 मिनट देरी से), दिनांक 02.08.2024 एवं दिनांक 03.08.2024 को 20:30

एक नजर

महाविद्यालय में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के तीनों परिसरों सहित संबद्ध महाविद्यालयों के नए सत्र 2024-25 में प्रवेश को लेकर गुरुवार को ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. महावीर सिंह नेगी ने कहा कि गढ़वाल विवि और उससे संबद्ध महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए पंजीकरण समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही होंगे। गढ़वाल विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों में पिछले तीन वर्षों से समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही प्रवेश के लिए पंजीकरण किए जाते रहे हैं, लेकिन संबद्ध महाविद्यालय छात्रों को प्रवेश देने के लिए अपने स्तर से पंजीकरण करते रहे हैं। कहा कि गढ़वाल विश्वविद्यालय ने निर्णय लिया है कि संबद्ध महाविद्यालय/संस्थानों में अब छात्र-छात्राएं समर्थ पोर्टल में पंजीकरण करने के बाद ही प्रवेश ले सकेंगे। जबकि स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर पर विवि द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ही प्रवेश होंगे। बताया कि बैठक में समर्थ पोर्टल में आ रही समस्याओं को भी सुना गया। कहा कि गढ़वाल विवि से संबद्ध महाविद्यालय/संस्थानों को गूगल फॉर्म के माध्यम से आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध करने के लिए कहा गया है। जिससे समर्थ पोर्टल में इन आवश्यक सूचनाओं को सम्मिलित किया जा सके और छात्र बिना किसी व्यवधान के अपना पंजीकरण आसानी से कर सकें। गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो अन्नपूर्णा नौटियाल ने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों को विवि के तीनों परिसरों एवं संबद्ध महाविद्यालय में प्रवेश में एकरूपता व्यवस्था लागू करने को निर्देशित किया है। बैठक में गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. राकेश डोढी, वित्त अधिकारी प्रो. एनएस पंवार, मुख्य नियंता प्रो. बीपी नैथानी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान, एफिलिएटिड कॉलेजों के प्राचार्य सहित समर्थ पोर्टल के अधिकारी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

सेवानिवृत्ति पर शिक्षक नेगी को दी विदाई

श्रीनगर गढ़वाल : ब्लॉक खिर्सू के राजकीय इंटर कॉलेज भट्टी सेरा में शारीरिक शिक्षक के पद पर तैनात गजपाल सिंह नेगी की सेवानिवृत्ति पर ब्लॉक शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों ने विदाई समारोह का आयोजन किया। इस मौके शिक्षकों ने उनकी अभूतपूर्व सेवा के लिए उन्हें सम्मानित कर बधाई दी। शिक्षकों ने कहा कि बतौर शिक्षक अपने 38 वर्ष के सेवाकाल के दौरान छात्रों और विद्यालय के लिए नेगी ने बहुत से कार्य किए हैं। विदाई समारोह के दौरान जयकृत सिंह भंडारी, दलवीर सिंह,दीवान सिंह आदि मौजूद रहें। (एजेंसी)

विनोद खंडूड़ी को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर गढ़वाल : वरिष्ठ पत्रकार नंदकिशोर खंडूडी के छोटे भाई 58 वर्षीय विनोद खंडूड़ी के आकस्मिक निधन पर गढ़वाल सासंद अनिल बलूनी, कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों और पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया। शोक व्यक्तत करने वालों में वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र गौड़, धनवीर बिष्ट, अतुल ममगाई, गंगा असनोड़ा, डा. श्रीकृष्ण उनियाल, संदीप थपलियाल, पंकज मंदोली, मनमोहन सिंधवाल, मनोज उनियाल, कमल पिमोली, डा. देवीराम, रोबिन मल्ल, सुदेश, तनुज बडोनी, अंकित भट्ट, विनय भट्ट, मोंटी मोहन सहित शहर के गणमान्य लोग शामिल रहे। (एजेंसी)

आयुष्मान योजना का लाभ न मिलने पर पेंशनर्स नाराज

देहरादून। जल संस्थान पेंशनर वेलफेयर सोसाइटी उत्तराखंड ने आयुष्मान योजना का लाभ पेंशनर्स को न मिलने पर नाराजगी जताई। गुरुवार को जल भवन नेहरू कालोनी में सीजीएम नीलिमा गर्ग से मिल कर रोष प्रकट किया। मैनेजमेंट पर पेंशनर्स की मांगों की अनदेखी का आरोप लगाया। जल्द लाभ न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी। पेंशनर वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष विरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि लंबे समय से झूठा आश्वासन दिया जा रहा है। अभी तक पेंशनर्स को आयुष्मान योजना का लाभ मिलना शुरू नहीं हुआ है। इसके कारण पेंशनर्स को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जल संस्थान न चिकित्सा प्रतिपूर्ति का लाभ दे रहा है, न ही आयुष्मान योजना को लागू करवा पा रहा है। जबकि हर बार वार्ता में आश्वासन दिया जाता है कि आयुष्मान योजना को लागू कराया जा रहा है। इसके बाद भी आज तक आयुष्मान योजना लागू नहीं हो पाई है। सीजीएम नीलिमा गर्ग ने आश्वासन दिया कि तैयारी पूरी हो चुकी है।

गुणात्मक शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दें : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की सचिवालय में विद्यालयी शिक्षा की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक सुधार के साथ शिक्षा व्यवस्था को विद्यार्थी केन्द्रित बनाया जाए। गुणात्मक शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने और स्कूलों से बालिकाओं के ड्रॉप आउट को कम करने के लिए आवासीय छात्रावासों को और अधिक बढ़ावा दिया जाए।

बच्चों के स्कूल बैग का बोझ कम किया जाए। सप्ताह में बस्ता मुक्त दिवस पर विद्यार्थियों को नैतिकता पर आधारित शिक्षा प्रदान की जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री ने सचिवालय में विद्यालयी शिक्षा की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये। समीक्षा के दौरान सचिव शिक्षा द्वारा शिक्षकों के ट्रांसफर में आ रही विभिन्न कठिनाइयों तथा शिक्षा विभाग में ट्रांसफर प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए बनाई

जा रही नीति के बारे में जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा में व्यावसायिक आधारित शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। यह सुनिश्चत किया जाए कि सभी स्कूलों में फर्नीचर की व्यवस्था पर्याप्त मात्रा में हो। स्कूलों में जहां-जहां संभव है, सोलर पैनल की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा ट्रांसफर के सरलीकरण के लिए जो नीति बनाई जा रही है, कार्मिक विभाग के स्तर पर उसका पूरा परीक्षण कर लिया जाए। राज्य हित में जो निर्णय सही होगा, वह किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए ऐसी व्यवस्थाएं बनायें, ताकि अभिभावक सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए स्वयं प्रेरित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए तेजी से प्रयास किये जाएं। स्मार्ट और वर्चुअल क्लास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राज्य में चलाई जा रही मुख्यमंत्री गौरवशाली भारत भ्रमण योजना के तहत मेधावी विद्यार्थियों और उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और तकनीकि संस्थानों में भ्रमण कराने की व्यवस्था का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जाए। छात्र शैक्षिक भ्रमण योजना के तहत प्रत्येक विकासखण्ड से 50 मेधावी भारत भ्रमण पर भेजे जायेंगे। जिसमें 50 प्रतिशत छात्राएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विद्यार्थी उपहार योजना के तहत कक्षा 01 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क नोटबुक उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने विद्यालयों में समस्त भौतिक एवं मानव संसाधन उपलब्ध कराने, तकनीकी और डिजिटल शिक्षा, आवासीय छात्रावास, व्यावसायिक पाठ्यक्रम और यातायात की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलस्टर एवं पी.एम. श्री स्कूलों की स्थापना पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि हमारी विरासत के तहत उत्तराखण्ड के आन्दोलन का इतिहास, लोक संस्कृति के विभिन्न आयामों, भारतीय ज्ञान परंपरा मूल्यों एवं संस्कृति तथा स्थानीयता को समाहित करते हुए छात्र-छात्राओं को इसकी अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, श्री रविनाथ रमन, डॉ. रंजीत सिन्हा, कुलपति वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, अपर सचिव शिक्षा श्रीमती रंजना राजगुरू, महानिदेशक शिक्षा बंशीधर तिवारी सहित शिक्षा एवं तकनीकि शिक्षा के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

जनपदों और बड़े शहरों में बनेगें बहुउद्देशीय हॉल और खेल मैदान : मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : राज्य के सभी जनपदों और 50 हजार से अधिक आबादी वाले शहरों में खेल विभाग द्वारा आधुनिक सुविधायुक्त बहुउद्देशीय हॉल और खेल मैदान बनाएं जाएं। खेल विभाग 10 दिन में इसका पूरा प्रस्ताव तैयार कर 02 साल में इन्हें बनाकर पूर्ण करे। राज्य में खेलों को तेजी से बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने संस्थानों से कोई एक खेल गोद लेने की अपेक्षा की है।

यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में खेल विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुउद्देशीय हॉल और खेल मैदान के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए बहुउद्देशीय हॉल में बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और अन्य इंडोर गेम की व्यवस्था की जाय। इनके संचालन और रख-रखाव की भी समुचित व्यवस्था करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि विभागों द्वारा जो भी योजनाएं बनाई जा रही हैं, वे ठोस तरीके से बने। यह सुनिश्चित किया जाय कि योजनाओं का कार्य धरातल पर दिखे। योजनाओं का आम जन को पूरा लाभ मिले, इसके लिए योजनाओं का विभिन्न माध्यमों से प्रचार एवं प्रसार भी किया जाए। सभी विभाग यह भी सुनिश्चित करें कि सरकारी संस्थान साफ-सुथरे हों। खेल विभाग द्वारा खिलाड़ियों और विभागीय कार्मिकों के सहयोग से खेल परिसरों में स्वच्छता अभियान चलाया जाय।

छात्रों ने फीस वृद्धि और नियुक्तियों में जांच की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के छात्रों ने गुरुवार को फीस वृद्धि के विरोध में धरना प्रदर्शन किया। मौके पर छात्रों ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा में धांधली की जांच कराने की मांग भी उठाई है। गढ़वाल विवि के छात्र मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं। छात्रों ने कहा कि जब तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती आंदोलन जारी रहेगा। गढ़वाल विवि के छात्रसंघ अध्यक्ष सुधांशु थपलियाल और आर्यन छात्र संगठन से जुड़े नीरज पंचोली ने कहा कि गढ़वाल विवि ने प्रवेश, आवेदन फॉर्मों, परीक्षा फॉर्मों सहित माइग्रेशन और डिग्री तक की फीसों में वृद्धि कर दी है। कहा कि गढ़वाल विवि लगातार फीस वृद्धि कर छात्रों के शिक्षा के अधिकारों का हनन कर रहा है। आरोप लगाया कि प्रति कुलपति का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी उन्हें पद पर बने रहने दिया जा रहा जो कि नियम विरूद्ध है। साथ ही परीक्षाओं में लगातार धांधली की जा रही है। जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। कहा कि विवि में दो नई बसें जो आने के बाद अभी तक खड़ी हैं। छात्रों को विवि के चौरास परिसर से बिड़ला परिसर तक पैदल ही आना पड़ रहा है। कहा कि बीते तीनों दिनों से कोई भी सक्षम अधिकारी छात्रों की सुध लेने नहीं पहुंचा है। जिससे छात्रों में आक्रोश और बढ़ रहा है। आर्यन छात्र संगठन से जुड़े छात्र नेता नीरज पंचोली ने कहा कि छात्रों की फीस में वृद्धि कर छात्रों को परेशान करने का काम किया जा रहा है।

आक्रोशित रेलवे प्रभावितों ने निर्माण कार्य रोका

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कोट के अंतर्गत कांडी, रामपुर, मरगुड़ गांव के लोग इससे प्रभावित हैं। रामपुर में रेल परियोजना का निर्माण कार्य ग्रामीणों ने रुकवा दिया। रामपुर, कांडी, मरगुड रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय खंडूड़ी ने कहा कि परियोजना में उपयोग होने वाले विस्फोटकों के प्रयोग से खेतों और मकानों में गहरी दरारें पड़ गई हैं। ग्रामीणें को क्षतिग्रस्त हुए आवासीय भवनों का मुआवजा नहीं मिला हैं। स्थानीय प्रशासन और कार्यदायी संस्था से कई बार ग्रामीण मुआवजे की मांग करी चुके हैं। अनीता देवी, पिताम्बरी देवी, विनीता देवी ने कहा कि दरारें और टूटे हुए घर में रहने से डर लगता है। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृति योजना के लिए 6 जुलाई से चयन

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक, अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृति योजना के अंतर्गत जनपद स्तर पर खिलाड़ियों का चयन करने हेतु जिलाधिकारी डॉ0 आशीष चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। जनपद के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए खिलाड़ियों का चयन 06 से 21 जुलाई 2024 तक किया जायेगा। जनपद स्तर पर 150 बालक व 150 बालिकाओं का चयन किया जायेगा। चयन हुए खिलाड़ियों को प्रतिमाह 1500 छात्रवृति दी जायेगी।

गुरूवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने खिलाड़ियों के चयन, प्रशिक्षण और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य जनपद के उदीयमान खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देना और उन्हें प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। जिला क्रीड़ा अधिकारी संदीप डुकलान ने बताया कि जनपद के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए खिलाड़ियों का चयन 06 से 21 जुलाई 2024 तक किया जायेगा। जिसमें 08 वर्ष से 14 वर्ष के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया विद्यालय स्तर पर 6, 7, न्याय पंचायत स्तर पर 8,9,10, विकासखंड स्तर पर 12,13,14 तथा जनपद स्तर पर 19, 20 व 21 को किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़िया द्वारा बेहतर प्रदर्शन किया जायेगा उनका चयन जनपद स्तर पर किया जायेगा। कहा कि जनपद स्तर पर 150 बालक व 150 बालिकाओं का चयन किया जायेगा। चयन हुए खिलाड़ियों को प्रतिमाह 1500 छात्रवृति दी जायेगी। बैठक में संयुक्त मजिस्ट्रेट अनामिका, एसीएमओ डॉ. पारूल गोयल, जिला युवा कल्याण अधिकारी रविन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी नागेंद्र बर्तवाल, सहायक सूचना अधिकारी सुनील तोमर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बदरीनाथ उपचुनाव की मतगणना के लिए लगेंगी 14 टेबल

चमोली। बदरीनाथ विधानसभा उपचुनाव की मतगणना 13 जुलाई को होगी। निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ मतगणना के लिए गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में पहल रेंडमाइजेशन कर कार्मिकों की तैनाती की गई।

मतगणना के लिए 14 टेबल लगाई जाएंगी। पहले रेंडमाइजेशन में रिजर्व सहित 17 मतगणना सुपरवाइजर, 18 मतगणना सहायक और 22 माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किए गए। इसी तरह पोस्टल बैलेट की गणना के 7 टेबल लगाई जाएंगी। पोस्टल बैलेट के लिए रिजर्व सहित 9 मतगणना सुपरवाइजर, 17 मतगणना सहायक और 9 माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किए गए। मतगणना के लिए 6 जुलाई को सभी कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। दूसरे रेंडमाइजेशन

में कार्मिकों की टीम बनाई जाएगी और तीसरे रेंडमाइजेशन में कार्मिकों को टेबल आवंटित की जाएगी। रेंडमाइजेशन के दौरान अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश, रिटर्निंग ऑफिसर आरके पांडेय, सहायक नोडल अधिकारी कार्मिक कुलदीप गैरोला, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हेमंत मौर्य आदि मौजूद थे।

अतिरिक्त रसद की व्यवस्था में जुटा खाद्य विभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बरसात को देखते हुए खाद्य विभाग द्वारा सभी गोदामों में राशन पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस सिलिंडर का बैक अप रखने को कहा गया है। प्रभारी डीएसओ मोहन लाल वर्मा ने बताया कि सभी गोदामों में राशन पहुंचाया जा रहा है। जबकि यमकेश्वर ब्लाक के कांडी, बड़ेथ, चैलूसैंण, गैंडखाल, देवराड़ी देवी, पौखाल आदि क्षेत्रों के लिए राशन पहुंचाया जा चुका है।

इसके अलावा कोटद्वार में दो, पाबौ, चाकीसैंण में चार-चार, थलीसैंण आदि जगहों पर सरकारी गोदामों में अतिरिक्त राशन की व्यवस्था की गई है। बताया कि इन क्षेत्रों में पेट्रोल दो हजार और पांच हजार लीटर डीजल के साथ ही 200 रसोई गैस सिलिंडर का बैकअप में रखने को कहा गया है।

इस वर्ष हरेला पर्व की थीम 'पर्यावरण की रखवाली, घर—घर हरियाली लाये समृद्धि और खुशहाली'

देहरादून। जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि राज्य सरकार द्वारा हरेला पर्व के अन्तर्गत व्यापक राजकीय प्रयासों एवं जनसहभागिता के माध्यम से प्रत्येक जनपद में वृहद वृक्षारोपण किया जाने हेतु इस वर्ष हरेला पर्व की थीम 'पर्यावरण की रखवाली, घर—घर हरियाली, लाये समृद्धि और खुशहाली' रखी गई है। जिलाधिकारी ने जनपद के अन्तर्गत इस पर्व / अभियान के आयोजन हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय सभी सम्बन्धित विभागों, वन विभाग, कृषि, जलागम, शहरी विकास, आवास, ग्राम्य विकास, उद्योग, पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों की एक आयोजन समिति का गठन किया गया है। समिति में जिलाधिकारी अध्यक्ष, प्रभागीय वनाधिकारी सदस्य सचिव तथा मुख्य विकास अधिकारी, नगर आयुक्त, देहरादून, परियोजना निदेशक, डीआरडीए, जिला विकास अधिकारी, अधीक्षण अभियन्ता, एम०डी०डी०ए०, मुख्य कृषि अधिकारी, मुख्य उद्यान अधिकारी, महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, जिला पंचायतराज अधिकारी, समिति के सदस्य बनाये गए है। जनपद के अन्तर्गत जनपद स्तरीय समिति द्वारा सार्वजनिक स्थानों जैसे स्थापित हरेला वनों, नदियों के किनारे, क्रिटकल नदी/गाड़ गदेरे, विद्यालय/कालेज परिसरों, विभागीय परिसरों, सिटी पार्क, आवासीय परिसरों (विकास प्राधिकरणों एवं आर०डब्लू०ए० के सहयोग से) आदि स्थलों को पौधारोपण हेतु चयनित किया जाना प्रस्तावित है। हरेला पर्व पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, स्थानीय निकायों / संस्थानों/जिला विकास प्राधिकरणों / आर० डब्लू०ए०/ एन०जी०ओ० /वन पंचायतें तथा जनमानस की सहभागिता से वृहद वृक्षारोपण किया जायेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी त्रिम्नान्वयन विभागों के साथ—साथ आर्मी / कैन्ट, आई०टी० बी०पी०, एन०सी०सी०, होमगार्ड, पी०आर०डी०, एस०एच०जी० के साथ ङ्ग्ल्ल्५१२ब्ल्ल्ली के द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाना है। इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ / समापन कार्यक्रमों में मा० जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी, साथ ही कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले ग्रामसभा/ग्राम पंचायत के सदस्यों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जायेगा। जनप्रतिनिधियों, विद्यालयी छात्रों, स्थानीय निकायों / संस्थाओं तथा जनमानस की सहभागिता से वृहद वृक्षारोपण किया जायेगा। इस हेतु जनपद स्तर पर प्रभागीय वनाधिकारी को निःशुल्क पौध वितरण के लिए नोडल अधिकारी नामित किया गया है। स्थानीय निकायों / संस्थाओं, विद्यालयों, जनप्रतिनिधियों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं को निःशुल्क पौध वितरण की अधिकतम सीमा जनपद स्तरीय समिति द्वारा जनपद में पौध की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए निर्धारित की जायेगी।

बदरीनाथ नगर पंचायत ने प्लास्टिक कचरे से की 2 लाख 61 हजार की आय

चमोली(आरएनएस)। बदरीनाथ धाम में प्लास्टिक वेस्ट को नगर पंचायत प्रशासन ने आय का बेहतर संसाधन बना लिया है। यहां इस वर्ष अब तक नगर पंचायत की ओर से धाम में बिखरे प्लास्टिक कचरे का विपणन कर 2 लाख 61 हजार 500 रुपये की आय अर्जित कर ली है। जिससे जहां एक ओर धाम प्लास्टिक कचरे से मुक्त हो रहा है। वहीं नगर पंचायत को आय प्राप्त हो रही है।बद्रीनाथ धाम की सफाई का जिम्मा नगर पंचायत बद्रीनाथ का है। जिसके लिए नगर पंचायत की ओर से 45 पर्यावरण मित्रों की तैनाती मुख्य नगर क्षेत्र, 22 की मंदिर परिसर में तैनाती की है। इसके साथ ही नगर से निकलने वाले कचरे के कॉम्पेक्टिंग, कम्पोस्टिंग और

सेग्रीगेशन के लिए 15 कर्मचारियों की तैनाती की है। जिनके माध्यम से कचरे को एकत्रित कर ब्लॉक बनाकर विपणन किया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित ने बताया कि बीते 15 दिनों में पंचायत प्रशासन की ओर से करीब 12 टन प्लास्टिक कचरे का निस्तारण कर 1 लाख 35 हजार की आय अर्जित की है। जबकि यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक बदरीनाथ धाम से 31 टन कचरे का निस्तारण कर 2 लाख 61 हजार 500 रुपए की आय प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर उन्हें कॉम्पेक्टर मशीन से ब्लॉक बनाकर अनुबंध मूल्य पर विपणन किया जा रहा है।

सकलाना में वन महोत्सव मनाया

नई टिहरी। जौनपुर के जीआईसी मरोड़ा (सकलाना) में नरेंद्रनगर वन प्रभाग की सकलाना रेंज के सहयोग से गुरुवार को वन महोत्सव मनाया गया। इस दौरान कॉलेज परिसर में पदम, तेजपत्ता, देवदार के पौधों का रोपण किया गया। गुरुवार को वन महोत्सव का प्रधानाचार्य एससी बडोनी, वन बीट अधिकारी हीरा सिंह पंवार, पर्यावरणविद वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी, वन दरोगा प्यार चंद रमोला, वन सरपंच अनुसूया प्रसाद उनियाल ने शुभारंभ किया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने और मानव जीवन की बेहतरी के लिए पौधरोपण के साथ—साथ उनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। वृक्षमित्र डॉ. सोनी ने कहा इस साल की गर्मी ने हमें अहसास करा दिया हैं पेड़ पौधे हमारे लिए कितने जरूरी हैं।

ओबीसी सर्वेक्षण को लेकर हुई बैठक

नई टिहरी।बैठक में एडिशनल डायरेक्टर शहरी विकास विनोद कुमार ने पालिका और नगर निगम ऐक्ट के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों से अन्य पिछड़े वर्ग की जनगणना पर कोई भी आपत्ति नहीं जताई। बैठक में उपस्थित निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह पवार, सभासद आशा टम्टा, ममता, विनीता, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा राजपाल पुंडीर आदि मौजूद रहे।

हरेला पर्व की तैयारियों को लेकर डीएम ने ली सभी संबंधित विभागों की बैठक

चमोली। जनपद चमोली में हरेला पर्व के दौरान 16 जुलाई से 15 अगस्त तक वृहत पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। हरेला पर्व की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी संबंधित विभागों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभाग लक्ष्य निर्धारित करते हुए आपसी समन्वय और जन सहभागिता के साथ वृहद स्तर पर पौधरोपण के साथ उनका संरक्षण भी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हरेला पर्व पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाए। हरेला पर्व पर वृहद पौधरोपण के लिए सभी विभाग अपना लक्ष्य तय कर बद्रीनाथ वन प्रभाग को उपलब्ध करें। ताकि डिमांड के अनुसार वन विभाग से पौध उपलब्ध की जा सके।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ब्लाक, तहसील, थाना, चौकी, स्कूल, वन पंचायत एवं कार्यालय परिसरों में पौधरोपण किया जाए। जल निगम व जल संस्थान विशेष तौर पर पेयजल स्त्रोत के आसपास, सड़क निर्माणदायी संस्थाएं सड़क किनारे, शिक्षा विभाग सभी विद्यालय परिसर एवं वन एवं पंचायतराज विभाग सभी वन पंचायतों में पौधरोपण करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा मनरेगा, स्वयं सहायता समूह, महिला एवं युवक मंगल दलों एवं जन सहभागिता से भी हरेला पर्व पर पेयजल स्त्रोतों, नदी किनारे एवं सरोवरों के आसपास वृहद रूप से पौधरोपण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पौधरोपण जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक उनका संरक्षण भी है। इसलिए पौध लगाने के बाद उसके संरक्षण का भी संकल्प लें।उप वन संरक्षक सर्वेश कुमार दुबे ने

बताया कि हरेला पर्व 16 जुलाई को मनाया जाएगा। आगामी 16 जुलाई से 15 अगस्त तक जनपद में वृहद स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। इस वर्ष हरेला पर्व की थीम ह्यह्यपर्यावरण की रखवाली, घर—घर हरियाली, लाए समृद्धि और खुशहालीह्लह्ल रखा गया है। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व पर 50 प्रतिशत फलदार पौधे और 50 प्रतिशत चारा एवं वन प्रजाति के पौधों का रोपण किया जाएगा। इसमें आंवला, काफल, दाड़मि, पदम, अमरूद, तेजपत्ता, सभी प्रकार के सिट्रस प्लांट सहित बांझ, बुरांश, अतीश, हरड, बेहड़ एवं अन्य वन प्रजाति के पौधे शामिल है।

शासन के निर्देशों के क्रम में सभी विभागों को 16 से 18 जुलाई तक 50 प्रतिशत पौधारोपण का लक्ष्य पूर्ण करना है। विभागों को उनकी डिमांड के अनुसार वन एवं उद्यान विभाग से पौधे दी जाएगी। बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, सीओ पुलिस प्रमोद शाह, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, जिला उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह, एसडीएम प्रियंका सुंडली सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com